

खेडा जिला या गुंडा-बूटलेगरों की जागीर ? खाकी के व्यापार में खाक हुई कानून-व्यवस्था, अब सिर्फ SMC का सहारा!

मंडल में रेत भरते समय एक बड़ी घटना गिरने से दो युवकों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। जिले के मंडल तालुका के शेर-रखियाना गांव के बाहरी इलाके में आज एक बहुत ही दुखद हादसा हुआ। यहां, पानी के में रेत भरने गए दो युवकों पर अचानक एक बड़ी चट्टान गिर गई और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

कैसे हुआ हादसा?
मिली जानकारी के मुताबिक, शेर-रखियाना गांव के अल्पेशभाई ठाकोर और साहिलभाई ठाकोर नाम के दो युवक गांव के बाहरी इलाके में एक में रेत भरने के लिए ट्रैक्टर लेकर गए थे। जब वे ट्रैक्टर में रेत भर रहे थे, तो अचानक ऊपर से भारी मात्रा में मिट्टी और रेत गिर गई। जब यह बड़ी चट्टान दोनों युवकों पर गिरी, तो वे बाहर नहीं निकल सके और गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके से लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। काफी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने चट्टान के नीचे दबे युवकों के शवों को बाहर निकाला। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई और मंडल पुलिस का काफिला भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर दोनों लाशों को पोस्टमॉर्टम के लिए वीरमगाम सरकारी अस्पताल भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। इस बात की बहुत शिकायतें मिली हैं कि वीरमगाम और मंडल पंचक में रेत की गैर-कानूनी चोरी का धंधा फल-फूल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नदी और घाटियों में गहरी खुदाई करके रेत निकालने से चट्टान गिरने का खतरा बढ़ जाता है। सड़कों पर बेरोकटोक दौड़ते ओवरलोडेड डंपर और गैर-कानूनी माइनिंग के बावजूद, माईंस और मिमरल्स डिपार्टमेंट या पुलिस प्रशासन चुप है। बार-बार ऐसी जानलेवा घटनाएं होने के बावजूद, प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है। प्रशासन पर बार-बार लापरवाही के आरोप लगने के बावजूद दो बेगुनाह युवकों की जान जाने के बाद, अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन अब जागेगा? क्या गैर-कानूनी माइनिंग माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी या वे और बेगुनाहों की जान जाने का इंतजार करेंगे? या वहां रहने वाले लोग अपनी जान के रूप में माफिया और प्रशासन को अप्रत्यक्ष रूप से परेशान करते रहेंगे? इस समय कई सवाल उठ रहे हैं।

पॉश इलाकों में चोरी करने वाली महिलाओं का गैंग पकड़ा गया: दो बहनों ने PG से चोरी की



महानगर मेट्रो ब्यूरो

वस्त्रपुर। पुलिस ने अहमदाबाद के अलग-अलग PG और रिहायशी इलाकों से चोरी करने वाली दो बहनों को गिरफ्तार किया है। दोनों बहनें वस्त्रपुर और आस-पास के इलाकों में PG में जाती थीं और फिर दरवाजा खुला होने पर चोरी करती थीं। अगर कोई उन्हें चोरी करते हुए पकड़ लेता, तो वे उसे नागपुर में आनंद मिशन आश्रम नाम का कार्ड दिखातीं और गूंगी-बहरी होने का नाटक करतीं। पुलिस ने दो मोबाइल फ़ोन जब्त कर लिए हैं और आगे की जांच कर रही है।

CCTV फुटेज चेक करने के बाद दोनों बहनें पकड़ी गईं

वस्त्रपुर के एक PG में मोबाइल फ़ोन चोरी की घटना हुई। मोबाइल फ़ोन चोरी की घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने CCTV फुटेज चेक किया जिसमें पता चला कि दो महिलाएं चोरी कर रही थीं। CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस ने साबरमती इलाके में कलिंगम के पास रहने वाली अन्नुबेन नट और पूजाबेन नट नाम की दो महिलाओं को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से दो मोबाइल फ़ोन जब्त किए। दोनों बहनें गूंगी-बहरी होने का नाटक करती थीं गीता चौधरी ने बताया कि PG से चोरी करने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों महिलाएं सगी बहनें हैं और तलाकशुदा हैं। वे PG में जहां भी दरवाजा खुला होता था, वहां जाकर चोरी करती थीं। अगर कोई उन्हें चोरी करते हुए पकड़ लेता, तो वे गूंगी-बहरी होने का नाटक करती थीं। 'भीख मांगने का नाटक करके सामान चुराती थीं' PI गीता चौधरी ने बताया कि वे नागपुर में आनंद मिशन आश्रम का एक कार्ड दिखाती थीं। इस बात की जांच की जा रही है कि उन्हें यह कार्ड कहाँ से मिला। दोनों बहनें शहर के अलग-अलग इलाकों और यहां तक कि पेड़ों पर जाकर भीख मांगने का नाटक करती थीं और फिर कुछ भी चुरा लेती थीं। पूरे मामले की आगे की जांच की गई है।

एक्सिडेंट के बाद 2.20 लाख का सामान ज़ब्त, ड्राइवर फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जिले में बावला हाईवे पर आज सुबह शराब से भरी एक कार फलट गई। इस एक्सिडेंट के बाद पुलिस ने मौके से 2.20 लाख से ज्यादा कीमत की विदेशी शराब और कार समेत सामान जब्त किया है। हालांकि, एक्सिडेंट करने के बाद कार ड्राइवर फरार हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, बावला त्रिभूति हॉस्पिटल के पास एक सफ़ेद स्विफ्ट डिजायर कार (GJ-@v-HW-4398) पूरी स्पीड से जा रही थी। ड्राइवर का स्टीयरिंग से कंट्रोल खो गया और कार डिवाइडर से टकराकर सड़क पर फलट गई। एक्सिडेंट के बाद आस-पास के लोगों के इकट्ठा होने से पहले ही कार ड्राइवर मौके से फरार हो गया। एक्सिडेंट की सूचना मिलते ही बावला पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें भारी मात्रा में विदेशी शराब मिली।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। गुजरात का खेडा जिला इन दिनों शांति और विकास के लिए नहीं, बल्कि अवांछित तत्वों, जुआरियों और बूटलेगरों के 'सेफ हेवन' के रूप में कुख्यात हो चुका है। जिले में कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज बची हो, ऐसा दूर-दूर तक नजर नहीं आता। यह कोई प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि खेडा जिला पुलिस अधीक्षक की कथित लाचारी, स्थानीय पुलिस इम्पेक्टर्स और उनके 'वहीवटदारों' (बिचौलियों) की खुली मिलीभगत का जीता-जागता सबूत है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं और खाकी हफ्ताखोरी की मलाई में आकंट डूब जाए, तब जनता की चीख सुनने वाला कोई नहीं बचता। अब पूरे जिले से एक ही आवाज उठ रही है—गांधीनगर स्टेटे मानिट्रिंग सेल तुरंत धावा बोले, क्योंकि स्थानीय तंत्र पर से भरोसा उठ चुका है। बूलेट ट्रेन की रफ्तार से धक्क रहे हैं हाईटेक जूआरियों के अड्डे • टुडेल बुलेट ट्रेन के पास का आतंक: प्रवीण नाम का एक शांतिर अपराधी—जिसका



इतिहास खाकी वर्दी पर हमला करने का रहा है—वह पश्चिम के एक रसूखदार नेता की छत्रछाया में खुलेआम जुए का साम्राज्य चला रहा है। इस शांतिर ने यह अड्डा 'रोमी' नाम के शख्स को भारी-भरकम दैनिक किराए पर दे रखा है। स्थानीय चर्चाओं की मानें तो वसो PI एस.एफ. चावड़ा और उनके खास वहीवटदार मिनेश रावरी की मूक सहमति के बिना पाप का यह कारोबार मुमकिन ही नहीं है।

खेडा: अपराधियों का 'कॉकटेल', खाकी का 'सरेंडर' जहाँ पुलिस की वर्दी नहीं, बल्कि बूटलेगरों का 'वहीवट' चलता है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के ग्रामीण इलाकों में पनप रहे अवैध कारोबार और सट्टेबाजी के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया है। डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ के कड़े निर्देशों के बाद 'एक्शन मोड' में आई **लोकल क्राइम ब्रांच ने डभोदा गांव में एक सीक्रेट मिशन के तहत सरेंआम चल रहे जुए के अड्डे को नेस्तनाबूद कर दिया है। इस ताबड़तोड़ रेड से इलाके के जुआरियों और असमाजिक तत्वों में भारी हड़कंप मच गया है। सटीक सूचना और ताबड़तोड़ छापेमारी क्राइम ब्रांच की टीम जिले से अपराध और गैर-कानूनी गतिविधियों को जड़ से खत्म करने के लिए 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर काम कर रही थी। इसी बीच, पुलिस के मुखबिर तंत्र से एक पुख्ता सूचना मिली कि डभोदा गांव के कुंदीवाला वास इलाके में कुछ लोग बेखौफ होकर ताश के पत्तों पर हार-जीत का बड़ा खेल चला रहे हैं। बिना कोई समय गंवाए, एलसीबी की एक विशेष टीम ने मौके पर घेराबंदी कर अचानक धावा बोल दिया। पुलिस को अचानक सामने देखकर जुआरियों के होश उड़ गए और वहां भारी भगदड़ मच गई। हालांकि, पुलिस की चुस्त घेराबंदी के कारण कोई भी आरोपी मौके से भागने में सफल नहीं हो सका।



रंगे हाथों पकड़े गए चार आरोपी इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बीच पुलिस ने मौके से चार लोगों को रंगे हाथों धर दबोचा। पकड़े गए सभी आरोपी डभोदा गांव के ही अलग-अलग हिस्सों के रहने वाले हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम: दिनेश ठाकोर केशाजी मकवाना मुकेश ठाकोर पेश ठाकोर पुलिस ने आरोपियों की तलाशी और मौके से भारी मात्रा में नकदी और सामान जब्त किया है: **नकद राशि:** 40,000 (दांव पर लगा कैश) **इलेक्ट्रॉनिक गैजेट** 10,000 की कीमत का एक मोबाइल फोन **कुल जब्त** 50,000 का कीमती माल **अधिकारियों का सख्त संदेश**

इस पूरे ऑपरेशन के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए LCB PI डी.बी. वाला

ने स्पष्ट किया कि पुलिस अब किसी भी अवैध गतिविधि को बखाने के मूड में नहीं है: हमें इस अवैध गतिविधि की पक्की खबर मिली थी। हमारी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा है। उनके खिलाफ डभोदा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गांधीनगर के ग्रामीण इलाकों में इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा। आगे भी जारी रहेगा 'ऑपरेशन क्लीन' गांधीनगर पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि जिले में किसी भी तरह के अवैध कारोबार के लिए कोई जगह नहीं है। डभोदा में हुई इस बड़ी रेड के बाद से आसपास के गांवों में अवैध धंधे चलाने वालों में खौफ का माहौल है। पुलिस सूत्रों का कहना है

अफवाहों से दूर रहें, आवश्यकता अनुसार ही ईंधन लें - मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता न करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा प्रदेश के सभी ऑयल डिपो में नियमित रूप से ईंधन की आपूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार एवं ऑयल कंपनियों पूर्ण समन्वय के साथ स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में



रखते हुए भी भारत सरकार द्वारा प्रभावी तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं और ईंधन आपूर्ति को लेकर किसी प्रकार की समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी देशवासियों से अनावश्यक खरीदारी एवं संग्रहण से बचने तथा किसी भी अफवाह

पर ध्यान न देने की अपील की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे संयम, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दें। केवल आवश्यकता अनुसार ही ईंधन लें तथा किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह से दूर रहें। उन्होंने कहा कि आपकी सजगता, संयम और सहयोग से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की ईंधन व्यवस्था निरंतर सुचारु बनी रहेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम सभी मिलकर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें और संयम, सहयोग तथा सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्रहित में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

सरखेज-धोलका रोड पर एक खतरनाक एक्सिडेंट में 20 साल की लड़की की मौत हो गई,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के वेजलपुर में रहने वाली और स्कूल जा रही 20 साल की लड़की की आज दोपहर सरखेज-धोलका रोड पर एक खतरनाक एक्सिडेंट में मौत हो गई। न्यू फतेवाड़ी आजादनगर बस स्टॉप के पास एक बेकाबू और तेज रफ्तार डंपर ने लड़की की एक्टिवा को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

डंपर ड्राइवर फरार एक्सिडेंट करने वाला अनजान डंपर ड्राइवर फरार हो गया है, और पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस बुक में दर्ज डिटेल्स के मुताबिक, वेजलपुर में गिरा पार्क के सामने भूमिका अपार्टमेंट की रहने वाली काव्या सुनीलभाई पांड्या (उम्र 20), आज दोपहर 12.45 बजे अपनी एक्टिवा पर धोलका के चालोदा में राय यूनिवर्सिटी जा रही थी। इसी बीच, सरखेज-धोलका रोड पर नवी फतेवाड़ी में आजादनगर बस स्टॉप के पास से गुजरते समय, पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे एक डंपर ड्राइवर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।

सड़क पर टकराने से गंभीर चोटें आईं

इस टक्कर से काव्या सड़क पर गिर गई और डंपर उसके ऊपर पलट गया, जिससे उसके सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने एक्सिडेंट करके भागे अज्ञात डंपर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है .

कुछ कीड़े और मछलियाँ इंफ्रारेड लाइट देख सकते हैं, जिसे इंसान नहीं देख सकते

हम लाइट के बारे में क्या जानते हैं ? पक्षी अल्ट्रावायलेट लाइट में देख सकते हैं



विज्ञानजगत
लेखक : दीपक जगताप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंसान की ज़िंदगी में लाइट का बहुत ज़्यादा महत्व है। अगर ज़िंदगी में लाइट न हो, तो सब कुछ अंधेरा हो जाता है। लाइट धरती का एनर्जी सोर्स है। लाइट के बिना, पौधे फोटोसिंथेसिस से एनर्जी नहीं बना सकते। सूरज की रोशनी होने पर, हरे पौधे फोटोसिंथेसिस से अपना खाना खुद बनाते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो, लाइट धरती पर जीवन का आधार है, एनर्जी का सोर्स है। और इसके बिना, कोई जीवन या वजूद नहीं है। लाइट के बिना, पौधों का जीवन फोटोसिंथेसिस से नहीं बढ़ सकता, यह एक ऐसा प्रोसेस है जिसमें पौधे कार्बन डाइऑक्साइड और पानी से खाना बनाने के लिए सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करते हैं। सारी लाइट सूरज से आती है, इसलिए सूरज को लाइट का सोर्स कहा जाता है। साइंटिफिक शब्दों में, लाइट एक तरह का इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन है जो फोटॉन नाम के पार्टिकल्स से बना होता है। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन जो आंखों में



सेसेशन पैदा करता है, उसे लाइट कहते हैं। लाइट वेक्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेक्स होती है। उन्हें फैलने के लिए किसी मीडियम की जरूरत नहीं होती। वे नॉन-मैकेनिकल वेक्स होती हैं। लाइट एलिमेंट्री फोटॉन पार्टिकल्स से बनी होती है। लाइट वेक्स की अलग-अलग फ्रीक्वेंसी और वेवलेंथ हो सकती हैं, रेडियो वेक्स से लेकर माइक्रोवेव, इंफ्रारेड, विज़िबल लाइट, अल्ट्रावायलेट, एक्स-रे और गामा रेज वगैरह तक। विज़िबल लाइट वेवलेंथ की वह रेंज है जिसे इंसान की आंखें देख सकती हैं, जिसमें सात रंग शामिल हैं: लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, इंडिगो और वायलेट। लाइट सात रंगों से बनी होती है। हम विज़िबल लाइट वेक्स को 'इंद्रधनुष के रंगों' के रूप में देखते हैं, जिनमें से हर एक की अपनी वेवलेंथ होती है। सबसे लंबे से

लेकर सबसे छोटे तक, इनमें शामिल हैं: लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला और वायलेट। तो लाइट कई तरह की होती है। कुछ तरह की लाइट ऐसी होती है जिन्हें जानवर देख सकते हैं लेकिन हम नहीं देख सकते। उदाहरण के लिए, पक्षी अल्ट्रावायलेट लाइट देख सकते हैं, जिसकी वेवलेंथ विज़िबल लाइट से छोटी लेकिन इन्फ्रारेड से लंबी होती है। सांप, साथ ही कुछ कीड़े और मछलियां, इंफ्रारेड लाइट देख सकते हैं, जिसे इंसान देख नहीं सकते लेकिन गर्मी के रूप में महसूस कर सकते हैं। जुगनू जो रोशनी छोड़ते हैं उसे बायोल्यूमिनेसेंस कहते हैं। जुगनू के शरीर में केमिकल रिएक्शन के दौरान मॉलिक्यूलस को एक्ससाइटेशन एनर्जी मिलती है। यह एक्ससाइटेट मॉलिक्यूलर एनर्जी रोशनी के रूप में निकलती है।

तीन महिलाओं को 95 लाख रुपये का फ्लैट देने के बाद 5 साल बाद भी खाली नहीं किया,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के चांदखेड़ा इलाके में एक चौकाने वाली घटना सामने आई है। जिसमें तीन महिलाओं ने अमरेली जिले के DySP ए.जी. गोहिल के घर पर गैर-कानूनी तरीके से कब्जा कर लिया है। इस मामले में चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन में गुजरात लैंड ग्रैंगिंग एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई है।

साल 2012 में किराए के फ्लैट में रहने गए थे

मिली जानकारी के मुताबिक, अमरेली जिले में DySP के पद पर काम कर रहे अशोक सिंह गोहिल साल 2012 में चांदखेड़ा PI के पद पर काम कर रहे थे और वे खुद अपने परिवार के साथ रहते थे। इसलिए उन्होंने न्यू एच रोड पर साकार स्कूल के बगल में शाकल रेजीडेंसी में एक घर किराए पर लिया था। जिसके मकान मालिक प्रवीणभाई और उनकी पत्नी मधुबेन पांचाल थी। 2012 से 2017 तक वे किराए पर रहते थे, जिसके बाद DySP के पद पर प्रमोटे होने और फिर भररुच में ट्रांसफर होने के बाद वे नर्मदा के राजपीपला चले गए।

साल 2020 में फ्लैट की डील फाइनल हुई थी

मकान मालिक मधुबेन ने अपना घर बेचने के लिए रखा था। यह पता चलने पर अशोक सिंह ने घर खरीदने की तैयारी दिखाई, लेकिन जब घर बेचने के लिए रखा गया, तो उसमें जानकीबेन मोहराना, अंजलिबेन मोहराना और अंकिताबेन मोहराना रह रही थीं। इसके साथ ही घर की डील फाइनल हो गई और साल 2020 में घर को सेल से ले लिया गया और उसका डीक्यूमेंटेशन किया गया। खाली घर का पंजेशन अशोक सिंह को दे दिया गया।

इंसानियत दिखानी पड़ी बहुत

फिर तीनों महिलाओं ने पुरानी मकान मालिक मधुबेन पांचाल से रिक्वेस्ट की कि उनकी दोनों बेटियां पास के स्कूल में पढ़ती हैं और किराए का घर स्कूल से दूर है। तो नए मकान मालिक से कहे कि अप्रैल 2020 तक एजाम खत्म होने तक उन्हें घर में रहने दो। तो अशोक सिंह ने इंसानियत दिखाई और बिना कोई पैसा लिए अपना फ्लैट रहने के लिए दे दिया। फिर कोरोना की ग्लोबल महामारी आ गई। तो उन्होंने इस बारे में उनसे बार-बार फ्लैट खाली करने को कहा। इसके बावजूद घर खाली नहीं किया गया। अशोक सिंह ने यह घर अपने बेटे की पढ़ाई के लिए खरीदा था, लेकिन उन्होंने यह घर खाली नहीं किया।

नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन 2026

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर द्वारा नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन 2026 के लिए आदेश (समय अनुसूची) जारी किया गया है। आदेश जारी होने के साथ ही जिले के निर्वाचन क्षेत्रांगत आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जितेन्द्र यादव ने आदर्श आचरण संहिता के दौरान जिले के निर्वाचन क्षेत्रांगत निर्वाचन एवं अन्य प्रयोजनार्थ सभा, रैली एवं जुलूस के आयोजन के लिए अनुमति प्रदान करने संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अधिकृत किया है।



भीषण गर्मी में भीनमाल विकास परिषद की मानवीय पहल: शहर के प्यासे मोहल्लों में निःशुल्क जल वितरण शुरू



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल । तपती धूप और बढ़ते पारे के बीच भीनमाल विकास परिषद ने एक बार फिर सेवा का मोर्चा संभाला है। परिषद द्वारा शहर के उन अभावग्रस्त मोहल्लों में निःशुल्क जल वितरण अभियान का आगाज किया गया है, जहाँ पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। यह पुनीत कार्य सुंदर बिजनेस लिमिटेड के सौजन्य से संचालित किया जा रहा है।

शाखा मैदान से अभियान का शंखनाद

सेवा कार्य का विधिवत उद्घाटन शाखा मैदान में परिषद के अध्यक्ष ओमप्रकाश खेतावत के कर कर्मलों द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान खेतावत ने कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म है। परिषद अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए इस किल्लत को दूर करने के लिए संकल्पित है। यह सेवा अभियान आगामी एक माह तक निरंतर जारी रहेगा। शहर के उन वंचित क्षेत्रों तक पहुँचाना जहाँ पेयजल की नियमित आपूर्ति नहीं है। पिछले वर्ष भी परिषद ने इसी तरह का सफल अभियान चलाकर सैकड़ों परिवारों को राहत पहुँचाई थी।

इनकी रही उपस्थिति

इस सेवाभावी कार्यक्रम के शुभारंभ पर शहर के गणमान्य नागरिकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम में संदीप देसाई, नारायणलाल जागिड़, दिनेश भाटी, डॉ. शैलेश दवे, गौतम संघवी, धनाराम माली एवं करमीराम सहित परिषद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भीनमाल: धोराढाल में चमत्कारी हनुमानजी का वार्षिक उत्सव संपन्न, श्रद्धा के साथ चढ़ाई ध्वजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल । शहर के धोराढाल मोहल्ले में स्थित चमत्कारी हनुमानजी मंदिर में चौहान गौर भाईपा परिवार द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में भजन संध्या और ध्वजारोहण मुख्य आकर्षण रहे।



मजन संध्या में उमड़ा जनसैलाब

घांची मोदी समाज के जिलाध्यक्ष पारस मोदी ने बताया कि उत्सव की पूर्व संध्या पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। स्थानीय कलाकारों ने हनुमानजी के भजनों की ऐसी प्रस्तुति दी कि श्रद्धालु देर रात तक भक्ति भाव में डूबे रहे। पूरा वातावरण 'जय श्री राम' और 'हनुमानजी की जय' के उद्घोष से गुंजायमान रहा।

विधि-विधान से हुआ ध्वजारोहण

प्रातःकाल शुभ मुहूर्त में चौहान परिवार द्वारा मंदिर के शिखर पर नवीन ध्वजा चढ़ाई गई। इस दौरान विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें समाज के लोगों ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

समाज के प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति

इस धार्मिक कार्यक्रम में घांची समाज के कई गणमान्य नागरिक और परिवारजन उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से भीनमाल घांची समाज अध्यक्ष भगवानराम चौहान, भारतराम, तारागाम, गणपल्लाल, शंकरलाल, मूलाराम, चुन्नीलाल चौहान, मफाराम, पूनमाराम, बगदाराम, रामजी, केसाराम, गणेशाराम, थानमल, हीरालाल, सांवलाराम और गौतम चौहान सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे। उत्सव के अंत में महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बह-चढ़कर भाग लिया।

महो डीजल पंपल से छुटकारा पाने के लिए पटना का मूड बदला है: इस साल के सिर्फ 5 महीनों में EV सेलस का ग्राफ 35% बढ़ा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। रूस-यूक्रेन समेत दुनिया भर में युद्ध के हालात और कच्चे तेल की अफ़रा-तफ़री के बीच, गांधीनगर के गाड़ी चलाने वालों ने अब एक स्मार्ट ऑप्शन चुना है। पेट्रोल पंप पर लंबी लाइनें और महंगे प्यूल को तिलांजलि देते हुए, राजधानी के लोगों ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों की तरफ रुख किया है। साल 2026 के पहले पाँच महीनों में EV का ग्राफ 35% बढ़ा है।



आंकड़ों की नज़र में: EV का बढ़ता क्रेज

इस साल जनवरी से मई के बीच तक जिले में कुल 28,070 नई गाड़ियाँ रजिस्टर हुई हैं, जिनमें से 1,528 गाड़ियाँ सिर्फ इलेक्ट्रिक सेगमेंट की हैं।

एक धड़े ने थपथपाई पुलिस की पीठ, तो दूसरे ने न्यायिक प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

महिला के साथ मंगेतर के सामने दरिंदगी करने का था आरोप, पुलिस एनकाउंटर में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। में 'सिंघम' एक्शन या सवालों के घेरे में कानून? कथित रेप आरोपी बबलू सिंह उर्फ 'भूत' एनकाउंटर के बाद सूबे में सियासत और सोशल मीडिया गर्म ज महिला के साथ मंगेतर के सामने दरिंदगी करने का था आरोप, पुलिस एनकाउंटर में मौत



पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल उपाध्यक्ष बताए जा रहे और इलाके में 'भूत' नाम से कुख्यात बबलू सिंह के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने की खबर से हड़कंप मच गया है। आरोपी पर एक महिला के साथ उसके मंगेतर के सामने ही गंभीर अपराध (दरिंदगी) करने का संगीन आरोप था, जिसके बाद से ही प्रशासन और पुलिस पर कड़ी कार्रवाई का भारी दबाव था।

देर रात हुई मुठभेड़, अस्पताल में तोड़ा दम पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, घटना के बाद से ही पुलिस की कई टीमों आरोपी की तलाश में दबिश दे रही थीं। देर रात मुखबिर की सूचना पर जब पुलिस ने आरोपी बबलू सिंह उर्फ 'भूत' को घेरने की कोशिश की, तो उसने कथित तौर पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया।

वी.डी. सतीशन बने मुख्यमंत्री, लेकिन दिल्ली में के.सी. वेणुगोपाल का 'दबदबा' बरकरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। केरल में यूडीएफ को शानदार जीत के बाद आखिरकार मुख्यमंत्री पद का सस्पेंस खत्म हो गया है। वी.डी. सतीशन को केरल का नया मुख्यमंत्री चुन लिया गया है। इस फैसले के साथ ही कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक बदलाव और कामकाज की शैली में बड़े फेरबदल की उम्मीद लगाए बैठे नेताओं और कार्यकर्ताओं को एक बार फिर मायूसी हाथ लगी है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में वी.डी. सतीशन नहीं, बल्कि कांग्रेस के कड़ावर संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल हैं। अहमद पटेल का वो एक फैसला और राहुल गांधी के 'पार्लियामेंट्री गार्जियन' राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि साल 2009 के लोकसभा चुनाव में जब के.सी. वेणुगोपाल अलपमुझा (एलेपी) सीट से जीतकर आए थे, तब तत्कालीन संकटमोचक अहमद पटेल ने संसद में उनकी सीट राहुल गांधी के ठीक पीछे तय की थी। जानकार मानते हैं कि शायद यह



कांग्रेस का ऐसा फैसला था, जिसने पार्टी की अंदरूनी राजनीति की दिशा बदल दी। वेणुगोपाल धीरे-धीरे राहुल गांधी के इतने करीबी बन गए कि आज वे उनके 'पार्लियामेंट्री गार्जियन' के रूप में देखे जाते हैं। आलम यह है कि लोकसभा में जब अध्यक्ष की कुर्सी पर स्पीकर नहीं होते, तो राहुल गांधी सरेंआम वेणुगोपाल से पूछ लेते हैं कि 'इन्हें स्पीकर सर' कहें या 'चेयरमैन सर'। कांग्रेस संगठन में वेणुगोपाल का दबदबा इस कदर है कि जब भी कोई नेता या कार्यकर्ता राहुल गांधी के पास अपनी कोई

समस्या लेकर जाता है, तो राहुल का एक ही संक्षिप्त जवाब होता है- Talk to KC (के.सी. से बात करो)।

केरल चुनाव और मुख्यमंत्री की रेस: कैसे चूके वेणुगोपाल?

केरल विधानसभा चुनाव में वेणुगोपाल ने टिकट बंटवार में अपने चहेतों को तरजीह दी थी। जब यूडीएफ को प्रचंड बहुमत मिला, तो वे खुद मुख्यमंत्री पद के सबसे बड़े

दवावेदार बनकर उभरे। यहां तक कि कांग्रेस के पर्यवेक्षक मुकुल वामनिक की ओर से एक तरह से 'पेपर लीक' भी हो गया, जिससे यह साफ हो रहा था कि अधिकांश विधायकों ने वेणुगोपाल के नाम पर मुहर लगाई है।

एक आड़बाट: राजीव गांधी के दौर के युवा और आज की

इतिहास के पन्नों को पलटें तो स्वर्गीय राजीव गांधी ने 1984-85 में जिन युवा चेहरों को आगे बढ़ाया था, उनमें रमेश चैन्निथला भी शामिल थे। राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे चैन्निथला केरल में कभी मुख्यमंत्री की कुर्सी तक नहीं पहुंच सके। राजीव गांधी के दौर के युवा नेताओं में केवल अहमद पटेल ही ऐसे रहे, जिनका दबदबा उनके जीवन के अंतिम समय तक बरकरार रहा। वहीं, उनकी एक और पसंदीदा युवा नेता ममता बनर्जी ने साल 1998 में कांग्रेस से नाता तोड़कर 'तृणमूल कांग्रेस' की स्थापना कर ली थी।

शिक्षा मंत्री की 'शवयात्रा': सीकर की सड़कों पर फूटा शिक्षकों का गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीकर। राजस्थान का शिक्षा विभाग इन दिनों कुप्रबंधन और अपने ही विवादित फैसलों के कारण सुलग रहा है। बिना बुनियादी सुविधाओं के फरमान जारी करने वाली सरकार के खिलाफ शूक्रवार को सीकर में शिक्षकों का आक्रोश ज्वालामुखी बनकर फूट पड़ा। 'राजस्थान शिक्षक संघ (शेखवत)' के बैनर तले सैकड़ों उग्र शिक्षकों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया और शिक्षा मंत्री को सीधे तौर पर 'शिक्षक और छात्र विरोधी' करार देते हुए बीच सड़क पर उनके पुतले की बाकायदा शवयात्रा निकाली और उसे आग के हवाले कर दिया।

ढाका भवन से निकला और कल्याण सर्किल होते हुए कलेक्ट्रेट तक सरकार के खिलाफ नारेबाजी करता हुआ पहुंचा। शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री उपेंद्र शर्मा और जिलाध्यक्ष विनोद पृथिवी ने सरकार की नीतियों की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री का हर फैसला न केवल शिक्षकों का शोषण कर रहा है, बल्कि मासूम छात्रों के भविष्य के भी खिलाफ है। राजस्थान की भीषण गर्मी और विकट भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करते हुए, बिना बिजली-पानी वाले तपते छत्र विरोधी' करार देते हुए बीच सड़क पर उनके पुतले की बाकायदा शवयात्रा निकाली और उसे आग के हवाले कर दिया।

तानाशाही फरमानों से उबला शिक्षक वर्ग

भीषण गर्मी में ग्रीष्मकालीन अवकाश को मनमाने तरीके से खत्म करने और स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के भारी अभाव ने शिक्षकों के सब्र का बांध तोड़ दिया है। शूक्रवार को आक्रोशित शिक्षकों का हड़ताल

1. अव्यावहारिक फैसला: भीषण गर्मी में बिना सुविधाओं के पढ़ाई संभव नहीं, ग्रीष्मकालीन अवकाश तुरंत प्रभाव से बहाल किए जाएं।
2. आर्थिक बढ़हाली: मिड डे मील और ट्रांसपोर्ट वाउचर का महीनों से अटका शूक्रवार को भुगतान तुरंत किया जाए।

3. स्वास्थ्य से खिलवाड़: कर्मचारियों के लिए बंद पड़ी आरजीएचएस मेडिकल सुविधाओं को तुरंत बहाल किया जाए।
4. बदहाल ढांचा: स्कूलों में पर्याप्त स्टाफ, बिजली-पानी और कमरों का भारी टोटा है, कागजों के बजाय धरातल पर व्यवस्था पुख्ता हो।
5. सफाई का संकट: स्कूलों की सफाई के लिए हर स्कूल में स्थायी सफाईकर्मियों लगाए जाएं।
6. नीतिगत पंगुता: बिना किसी भेदभाव के सभी संवर्गों के लिए स्थायी स्थानांतरण नीति लागू की जाए।
7. अटकी पदोन्नति: लेटलतीफनी छेड़कर 1 अप्रैल 2026 तक की डीपीसी प्रक्रिया तुरंत पूरी की जाए।
8. खोखले वादे: नई क्रमोन्नत हुई स्कूलों में केवल बोर्ड न बदलें, बल्कि स्टाफ के पदों की वित्तीय स्वीकृति जारी की जाए।
9. रोजगार से धोखा: नए चयनित हुए सभी पीटीआई को दर-दर भटकाने के बजाय तुरंत नियमित किया जाए। प्रदेश का शिक्षक अब आर-पार की लड़ाई के मूड में है।

प्रेम प्रसंग, धर्मांतरण का दबाव और मौत अपनी ही सरकार में न्याय के लिए सड़क पर उतरे भाजपा नेता, पुलिस-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। शहर में 17 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत और धर्मांतरण के आरोपों के बाद उपजा आक्रोश अब एक बड़े सियासी सवाल में तब्दील हो गया है। सबसे बड़ी हैरानी इस बात की है कि सूबे में भाजपा की सरकार होने के बावजूद, न्याय के लिए खुद भाजपा नेताओं को ही सड़क पर उतरकर चक्काजाम और प्रदर्शन करना पड़ रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली की पोल खोल दी है। आम जनता और स्थानीय लोगों में इसे लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। लोगों का स्पष्ट कहना है कि जब



सत्ताधारी दल के नेताओं को ही न्याय के लिए धरने पर बैठना पड़े, तो आम आदमी सुरक्षित कैसे महसूस करेगा? शहर के चौराहों पर अब यही चर्चा है कि 'भाजपा राज में ऐसी घटना बेहद नैतिक है और यह सिस्टम की विफलता को दर्शाता है।'

जात हो कि प्रेम प्रसंग की आड़ में धर्मांतरण के कथित दबाव और छात्र के शरीर पर मिले निशानों ने इस मामले को बेहद संवेदनशील बना दिया है। घंटाघर पर टायर जलाकर हुए भारी बवाल के बाद भले ही एस्डीएम के आश्वासन से फिलहाल जाम खुल गया हो, लेकिन अपनी ही सरकार के कार्यकाल में भाजपा कार्यकर्ताओं का यह उग्र प्रदर्शन प्रशासनिक महकमे के लिए एक असहज करने वाला कड़ा संदेश है।

मफतलाल कंपनी में अंडरग्राउंड टैंक की सफाई करते समय 3 माइग्रेंट्स की जान चली गई



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले का इंडस्ट्रियल हब माने जाने वाले कलोल के सैज GIDC इलाके में कल रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। मफतलाल गुजरात इंडस्ट्रीज नाम की कंपनी में ETP प्लांट के अंडरग्राउंड टैंक की सफाई करने उतरे तीन माइग्रेंट मजदूरों की जहरीली गैस लीक होने से दम घुटने से मौत हो गई। जबकि एक और मजदूर गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। गौरतलब है कि इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफ़रा-तफ़री फैल गई है और इंडस्ट्रियल यूनिट्स में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। कलोल तालुका पुलिस ने इस मामले में एक्सप्लोरेटिव मौत का केस दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है।

14 अप्रैल की रात को टैंक की सफाई शुरू हुई

कलोल के सैज GIDC इलाके में मौजूद 'मफतलाल गुजरात इंडस्ट्रीज लिमिटेड' की यूनिट C/15 से 18 में तिरपाल के कपड़ों पर रंगाई का काम होता है। इस प्रोसेस के दौरान निकलने वाले रंगीन पानी को साफ करने के लिए एक अंडरग्राउंड RCC टैंक बनाया गया है, वहीं इस टैंक की सफाई का काम 14 अप्रैल की रात करीब 9:30 बजे किया गया।

मजदूर एक के बाद एक टैंक की सफाई के लिए अंदर गए

मजदूरों ने मोटर पंप से टैंक से पानी निकालने के बाद, प्लास्टिक की बाल्टियों और लोहे की सीढ़ियों की मदद से एक के बाद एक टैंक में नीचे जाकर करीब डेढ़ फीट नीचे जमा कचरा और कीचड़ निकाला। सबसे पहले अमित परिहार और अमर कुमार श्रीवास्तव टैंक में उतरे और नीचे उतरते ही दम घुटने से बेहोश हो गए और कीचड़ में फंस गए।

एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में जान गंवाना

अनिल लोधी भी अपने दोस्तों को बचाने के लिए अंदर गए, लेकिन वह भी दम घुटने का शिकार हो गया और वहीं बेहोश होकर गिर पड़ा। आखिर में, शिवनाथ दुबे भी तीनों को बचाने की कोशिश में टैंक में कूद गया। हालांकि, टैंक में जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण वह भी वहीं फंस गया। इस तरह, अपने साथियों को बचाने की कोशिश में मजदूर का प्रायः बचन गए।

तीन मजदूरों की मौत, एक की हालत गंभीर

इस हादसे में जान गंवाने वाले तीन युवक प्रवासी थे और गुजरात में काम करने आए थे, जबकि एक मजदूर का अभी गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमित प्रीतम परिहार (उम्र 32, मध्य प्रदेश) अमर कुमार श्रीवास्तव (उम्र 33, उत्तर प्रदेश) शिवनाथ रामशंकर दुबे (उम्र 44, उत्तर प्रदेश) अनिल भगवान लोधी (इलाज में) मजदूरों की सुरक्षा के मामले में कंपनी की लापरवाही घटना की जानकारी मिलने पर कलोल तालुका पुलिस मौके पर पहुंची और एक्सप्लोरेटिव मौत का मामला दर्ज करके आगे की जांच कर रही है। टैंक में जहरीली गैस की जांच FSL की मदद से की जाएगी। इस घटना के बाद, इस बात पर गंभीर सवाल उठे हैं कि क्या कंपनी ने मजदूरों को सेफ्टी गियर, मास्क या ऑक्सीजन सिलेंडर जैसी बेसिक सुरक्षा दी थी। मजदूरी करने के लिए प्रांत से आए तीन युवाओं की मौत से मजदूर समुदाय में दुख और गुस्सा फैल गया है। मजदूरों की सुरक्षा के मामले में कंपनी की लापरवाही जांच का विषय बन गई है।

गांधीनगर: BRC, URC और CRC कोऑर्डिनेटर की भर्ती का ऐलान: 25 मई तक ऑनलाइन एप्लीकेशन जमा कर सकते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य शिक्षा विभाग ने BRC, URC और CRC कोऑर्डिनेटर की भर्ती के लिए एक ज़रूरी ऐलान किया है। भर्ती प्रोसेस के तहत आज से ऑनलाइन एप्लीकेशन लिए जाने शुरू हो गए हैं। कैडिडेटे 25 मई तक 11:59 बजे तक ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। शिक्षा विभाग की तरफ से जारी सर्कुलर के मुताबिक, अप्लाई करने के लिए कैडिडेटे को ऑफिशियल वेबसाइट www.ssagujarat.org पर जाना होगा। भर्ती के लिए ज्यादा से ज्यादा उम्र 50 साल तय की गई है।

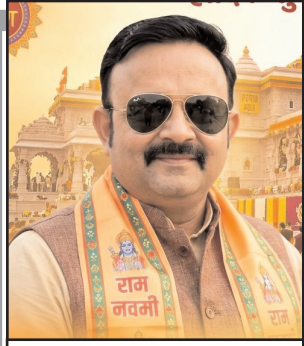
कम से कम 3 से 5 साल का अनुभव ज़रूरी

विभाग ने क्वालिफिकेशन और अनुभव के बारे में भी साफ क्लैरिफिकेशन बताया है। BRC और ऋट कोऑर्डिनेटर के लिए कैडिडेटे के पास कम से कम 5 साल का एजुकेशनल अनुभव होना ज़रूरी होगा। जबकि CRC कोऑर्डिनेटर के लिए 3 साल का अनुभव ज़रूरी माना जाएगा।

आज का राशिफल
आपका दिन शुभ और मंगलमय हो!

<p>1. मेष राशि (Aries)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>	<p>7. तुला राशि (Libra)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>
<p>2. वृषभ राशि (Taurus)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>	<p>8. वृश्चिक राशि (Scorpio)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>
<p>3. मिथुन राशि (Gemini)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>	<p>9. धनु राशि (Sagittarius)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>
<p>4. कर्क राशि (Cancer)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>	<p>10. मकर राशि (Capricorn)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>
<p>5. सिंह राशि (Leo)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>	<p>11. कुंभ राशि (Aquarius)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>
<p>6. मकर राशि (Virgo)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>	<p>12. मीन राशि (Pisces)</p> <p>● शीघ्र और सफलता: आज आपके दिन सफलता के साथ शुरू होंगे। नए प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सफल होंगे।</p> <p>● नकारात्मक: नए लोगों से सावधान रहें, विशेष रूप से रात के समय।</p> <p>● शुभ और फलदायी: परिवार के साथ समय बिताने का बेहतरीन समय है।</p>

दवा नहीं, जहर का कारोबार: भारत की साख पर संकट



पवन माकन
गुप एडिटर, महानगर मेट्रो

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमाता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बकाबू हो रही हैं। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई हैं।

छले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरतीं। केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-नकहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया को सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को हफामेसी ऑफ द वर्ल्ड कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सिन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तरांचल, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुदुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। वूं कहे कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने



फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापान सामने आया, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट

पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दवाियों को केवल आर्थिक मुनाफे तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकती है। यह स्थिति लोकातांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही हैं बल्कि मार रही हैं, ईंसान का लोभ एवं लालच ईंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं

गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। ईंसान केवल लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संशुद्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोर्स की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमाता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बकाबू हो रही हैं। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई हैं। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन को ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलुहा है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

संपादकीय

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती है। दिल्ली स्थित नांगोलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तब विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों का पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों की यात्रियों को सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए पिंपराली को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्वद्गण जस की तस भी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे। देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपवाचित निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबल आता है।

चित्तन-पनन

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाए पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गड्ढा सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आए। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गड्ढा सामने रख विद्रुल के ध्यान में मन हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे। वही पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे संपू। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहा से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विद्रुल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया। स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।



कैतिलाल मांडेत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है। देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर



कमलेश पांडेय

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका पर जोर दिखाई दिया। देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोंचे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल हैं। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्गेय लॉवरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं। यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चरम से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशविरोध से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाते, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं। कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश

डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा। कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। वही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश को आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगी है। राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सिन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

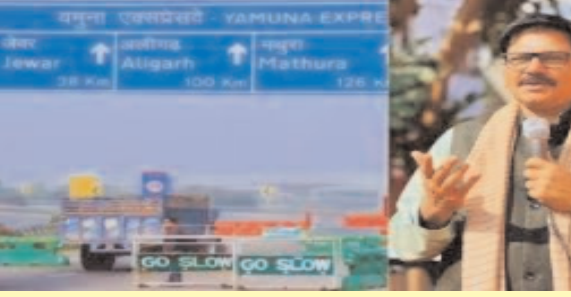
अहम हैं। जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मार्ग है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सल्लाई चैन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसेना कर उतर सा रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि वह मंच स्थिरता कमाने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं- पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती: बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने 'मल्टीपोलर वर्ल्ड' के दृष्टिकोण बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो। दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध: भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने

एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया। तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेत: बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैश्विक व्यापार भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके। चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंता: ईरान-इजराइल तनाव और सुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है। एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगाता है कि वह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकलना संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है। पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाज: बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को वैश्विक आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत को भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद युद्ध संकट में ही 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है। भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं-जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज-को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई। छठा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा की मांग: भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आए: हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अब पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उपरती शक्तियां अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाते की कोशिश की कि 'ग्लोबल साउथ' अब केवल संकेत नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उपरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का देश इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बेलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे अग्रिमो वेरुमो बनाता है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रस्तावित टोल वृद्धि का विरोध, जेवर विधायक ने सरकार और अर्थरिटी को लिखा पत्र,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रस्तावित टोल वृद्धि को लेकर अब राजनीतिक और जनप्रतिनिधियों की ओर से भी सवाल उठने लगे हैं। जेवर से भाजपा विधायक धीरेंद्र सिंह ने टोल शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री और यमुना अर्थरिटी के सीईओ को पत्र लिखा है। विधायक का कहना है कि मौजूदा समय में देश और दुनिया आर्थिक एवं भू-राजनीतिक चुनौतियों से गुजर रहे हैं, ऐसे में टोल बढ़ाते लाखों यात्रियों, किसानों, छात्रों और व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। इससे पहले भी विधायक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से महंगे हवाई टिकटों और किसानों के मुआवजे जैसे मुद्दों को जोरदार से उठा चुके हैं।

मुख्यमंत्री और यमुना अर्थरिटी को लिखा पत्र

धीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ को पत्र लिखकर प्रस्तावित टोल वृद्धि पर पुनर्विचार की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक और भू-राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। उन्होंने लिखा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे समय में टोल शुल्क बढ़ाना आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसा होगा। किसानों, छात्रों और कारोबारियों पर पड़ेगा असर विधायक ने अपने पत्र में कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर की आर्थिक गतिविधियों की प्रमुख जीवनरेखा बन चुका है। इस मार्ग का इस्तेमाल रोजाना लाखों लोग करते हैं, जिनमें किसान, विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, छोटे व्यापारी और उद्योगों से जुड़े लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि टोल शुल्क में वृद्धि होने से इन सभी वर्गों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। पहले से बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों के बीच अतिरिक्त टोल भार लोगों की परेशानी और बढ़ा सकता है। नोएडा एयरपोर्ट और निवेश परियोजनाओं का भी दिया हवाला धीरेंद्र सिंह ने पत्र में यह भी कहा कि आने वाले समय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, औद्योगिक निवेश और अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स के चलते यमुना एक्सप्रेसवे पर यातायात और राजस्व दोनों में स्वाभाविक रूप से बढ़ोतरी होगी। ऐसे में अभी टोल बढ़ाना जनभावनाओं के अनुरूप नहीं माना जा सकता। विधायक का कहना है।

मुजफ्फरनगर के छपार टोल पर बवाल, कार सवार मां-बेटे और कर्मचारियों में जमकर मारपीट,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे-58 स्थित छपार टोल प्लाजा पर बुधवार को अफरा-तफरी मच गई। खुद को स्थानीय निवासी बताते वाले कार सवार मां-बेटे और टोल कर्मचारियों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। घटना के दौरान जमकर मारपीट हुई और एक महिला टोलकर्मि को डंडे से पीटने का आरोप भी सामने आया। पूरी वारदात टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जानकारी के अनुसार, एक कार में सवार युवक ने खुद को बरला गांव निवासी अमन बताते हुए टोल से वाहन निकालने की बात कही। टोल कर्मचारियों के अनुसार, उस समय आगे एक अन्य वाहन खड़ा था, जिसके कारण कार को कुछ देर रोकना पड़ा। महिला टोलकर्मि ने कार चालक से वाहन पीछे करने को कहा, जिससे कार सवार युवक नाराज हो गया। देखते ही देखते कड़ासनी बड़ गई और दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। टोलकर्मि युवती ने महिला को बाल पकड़ते हुए घसीटा प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद इतना बढ़ा कि कार में मौजूद मां-बेटे और टोल कर्मचारियों के बीच मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि टोल पर मौजूद एक टोलकर्मि युवती ने पहले कार सवार महिला के थपड़ मारते हुए उनके बाल पकड़ कर घसीटा लिया। उसके बाद महिला और टोल कर्मि युवती के बीच हाथापाई शुरू हो गई। अपनी मां को पीटता देखकर युवक डंडा लेकर आया तो उसकी मां ने डंडा छीनकर टोलकर्मि युवती की पीटाई कर डाली। इसी बीच टोलकर्मि युवती ने पास पड़ी इंटर से गाड़ी में तोड़फोड़ करने की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों ने उसके हाथ से इंटर छीनकर फेंक दी। घटना के दौरान टोल प्लाजा पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने विवाद शांत कराया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को शांत कराया। पुलिस ने विवादित कार को सीज कर लिया है और दोनों पक्षों से लिखित शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एएसपी सिद्धार्थ के मिश्रा ने बताया कि 13 मई की सुबह छपार टोल प्लाजा पर वाहन सवार लोगों और टोल कर्मचारियों के बीच झड़प हुई थी।

मंदसौर में आइसक्रीम खाते ही बिगड़ी 14 बच्चों की तबीयत, अस्पताल में भर्ती, एक की हालत गंभीर ठेले से 10 रुपये की आइसक्रीम खाने के बाद उल्टी-दस्त के शिकार हुए मासूम।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के गरोट थाना क्षेत्र के कोटड़ा बुजुर्ग गांव में आइसक्रीम खाने के बाद 12 से 14 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद राजस्थान के भवानीमंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने फूड सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं। मंदसौर जिले के गरोट थाना क्षेत्र के कोटड़ा बुजुर्ग गांव में आइसक्रीम खाने के बाद करीब 12 से 14 बच्चों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। बच्चों को तुरंत मध्य प्रदेश बॉर्डर से लगे राजस्थान के भवानीमंडी स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार देर शाम बच्चों को अचानक उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। परिजनों ने बताया कि गांव में रोज आने वाले ठेले के आइसक्रीम विक्रेता से बच्चों ने 10 रुपये वाली आइसक्रीम खरीदी थी। आइसक्रीम खाने के कुछ देर बाद ही बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी।



ग्रामीण दान सिंह ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे आइसक्रीम बेचने वाला गांव में आया था। बच्चे रोज की तरह उससे आइसक्रीम लेकर खा रहे थे। कुछ समय बाद सात से आठ बच्चों को अचानक घबराहट, उल्टी और बेचैनी होने लगी। इसके बाद परिवार वाले बच्चों को पहले नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उन्हें भवानीमंडी रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि सभी बच्चों की उम्र 7 से 12 साल के बीच है। फूड पॉइजनिंग की आशंका के चलते बच्चों को इलाज के लिए भवानीमंडी के दो अलग-अलग निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से दो बच्चों को आईसीयू में रखा गया था। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब अधिकतर बच्चों की हालत स्थिर है, लेकिन शिवम नाम के एक बच्चे की तबीयत गंभीर बताई जा रही है। उसे पिछले चार से पांच दिनों से बुखार भी था, जिसके कारण डॉक्टर उसकी लगातार जांच कर रहे हैं।

फूड इंस्पेक्टर को सैंपल जांच के निर्देश दिए

गरोट स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ बीएमओ डॉ. दरबार सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच में मामला आइसक्रीम खाने से जुड़ा दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आइसक्रीम में इस्तेमाल मावा संक्रमित हो सकता है, हालांकि अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है। फूड इंस्पेक्टर को सैंपल जांच के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंचकर बच्चों की जांच कर रही है। कुछ बच्चों का प्राथमिक उपचार गांव में ही किया गया, जबकि गंभीर स्थिति वाले बच्चों को अस्पताल भेजा गया। प्रशासन और पुलिस भी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

देवास में एबी रोड स्थित पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद लगी आग, तीन लोगों की मौत, चार-चार लाख मुआवजे की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवास। मध्य प्रदेश देवास जिले में एबी रोड स्थित पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई है। आग की वजह से सड़क पूरा धुआं-धुआं हो गया है। हादसे में तीन लोगों की मौत की खबर है। कई लोग गंभीर रूप से जलून गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया है। घायलों की हालत देखते हुए बताया जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि जिला मुख्यालय से करीब 20 किमी दूर टोंककला में यह पटाखा फैक्ट्री है। फैक्ट्री में ब्लास्ट की गूंज आसपास के इलाकों में सुनाई दे रही थी। वहीं, इस हादसे में वहां काम करे श्रमिकों के चिथड़े उड़ गए हैं। शवों के टुकड़ों सड़कों पर मिले हैं।



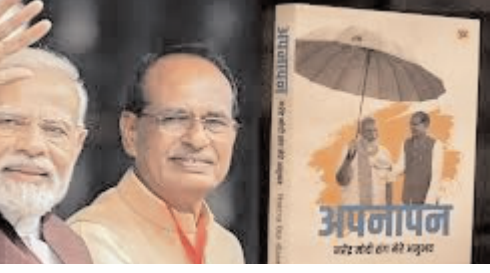
आसपास के इलाकों में अफरातफरी की स्थिति है। बताया जा रहा है कि 20 से अधिक लोग जख्मी हैं। इनमें सात को इंदौर रेफर किया गया है। हिल गए मकान वहां, आसपास के लोगों का कहना है कि हादसे का बाद आसपास के मकानों में कंपन हुआ है। साथ ही मकान हिल गए हैं। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि आसपास के लोग सहम गए हैं। फैक्ट्री के अंदर रखे मिले पटाखे इसके साथ ही फैक्ट्री के अंदर बड़ी संख्या में पटाखे मिले हैं। हादसा कैसे हुआ इसके जानकारी नहीं मिली है। फैक्ट्री के अंदर से अभी भी धुआं उठ रहा है। देवास कलेक्टर भी मौके पर हैं। सीएम ने डेय्यूटी सीएम को भेजा देवास सीएम मोहन यादव ने कहा कि देवास जिले के टोंककला में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में कई लोगों के हाताहत होने का समाचार हदय विदारक है। मैंने जिले के प्रभारी एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, गृह सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। घटना की जांच के तब तक भी दिए हैं। मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने एवं घायलों का निःशुल्क इलाज करने के लिये निर्देश दिये हैं। बाबा महाकाल से दिवंगतों की शांति, शोकाकुल परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति तथा दुर्घटना में घायलों को त्वरित स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। धमाके की खबर मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। वहीं, घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भेजा जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिवराज सिंह चौहान का 'अपनापन', पीएम पर केंद्रीय मंत्री ने लिखी है यह किताब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने अनुभवों पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किताब लिखी है। इस किताब का लोकार्पण 26 मई को दिल्ली में होगा।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंधों पर एक किताब लिखी है। किताब का नाम 'अपनापन' है। इसका लोकार्पण 26 मई को नई दिल्ली में है। शिवराज सिंह चौहान ने खुद इसकी जानकारी दी है। किताब की कहानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिवराज सिंह चौहान के अनुभवों पर है।



सुशासन और राष्ट्र समर्पण के अनेक दृष्टिकोणों से देखने समझने का अवसर मिला है। इन्हीं अनुभवों, भावनाओं, प्रेरणाओं और जीवन-मूल्यों को मैंने अपनी पुस्तक 'अपनापन' में संजोने का विनम्र प्रयास किया है।

पीएम के साथ अनुभवों को किताब में लिखा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा कि तीन दशकों से आर्थिक के सार्वजनिक जीवन में प्रशासकीय नरेंद्र मोदी के साथ अनेक भूमिकाओं और विभिन्न दायित्वों में कार्य करते हुए मुझे उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व, सेवा, संगठन,

26 मई को किताब का लोकार्पण

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरी इस कृति 'अपनापन' का लोकार्पण

नहीं है, यह उन तैतीस वर्षों को शब्दों में उतारने का प्रयास है, जिनको मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बहुत करीब से जिया है। लोगों ने मंचों से उन्हें भाषण करते हुए देखा है, लेकिन मैंने उनमें उन व्यक्ति को देखा है, जो दिन भर देर रात तक काम करने के बाद भी अगली सुबह उसी ऊर्जा के साथ देश के लिए खड़ा होता है। लोग उनके निर्णयों को देखते हैं, लेकिन मैंने देखा है कि कैसे उनका दिल हर गरीब, हर किसान, मां, बहन-बेटे और हर कार्यकर्ता के लिए धड़कता है। 1991 की एकता यात्रा का जिक्र शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुझे आज भी 1991 की एकता यात्रा याद है। तब कई लोग उन राजनीतिक यात्रा के रूप में देखते थे, लेकिन मोदी जी ने उसे राष्ट्रीय चेतना का अभिप्राय बना दिया। उनकी सोच स्पष्ट थी कि तिरंगा श्रीनगर के लाल चौक तक ही नहीं, देश के हर युवा के दिल तक पहुंचना चाहिए।

मौत का संवदः तूफान से बचने के लिए पकड़ी थी टीन की शेड, वही शख्स को लेकर 50 फीट ऊपर आसमान में उड़ गई;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। जिले के थाना भमोरा क्षेत्र में भीषण तूफान के दौरान एक बारात घर की छत (टीन शेड) हवा में उड़ गई, जिसके साथ एक शख्स भी लगभग 50 फीट की ऊंचाई तक उछल गया। यह घटना पिछले दो दिनों से लगातार आ रही तेज आंधी और पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई। टीन शेड के नीचे तीन लोग तूफान से बचने की कोशिश कर रहे थे, तभी अचानक पूरी छत हवा में उड़ गई और एक शख्स कई फीट ऊपर से उड़कर सीधे खेत में जा गिरा। पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्रशासन ने अस्पताल में भर्ती कराया है।



उचित इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। दो दिनों से बरेली में आफत की आंधी पश्चिमी विक्षोभ के चलते बरेली में पिछले दो दिनों से लगातार तूफानी हवाओं का दौर जारी है। वीली रात आई आंधी ने शहर में भारी तबाही मचाई है। कई विशालकाय पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए, जिसकी चपेट में आकर कई दोपहिया और चार पहिया वाहन दबकर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पेड़ों के गिरने से कई रास्ते भी बाधित हुए हैं और कुछ अन्य लोगों के घायल होने की भी खबर है। शहर का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। चक्रवात और आंधी से हुए नुकसान को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का मुख्य फोकस सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाकर रास्ता साफ करने पर है ताकि यातायात सुचारू हो सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे फील्ड पर रहकर स्थिति पर नजर रखें और प्रभावित लोगों तक त्वरित सहायता पहुंचाएं।

एआई जैसा वीडियो, पर हकीकत ने चौंकाया

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को देखकर पहली नजर में ऐसा लगता है जैसे इसे एआई की मदद से बनाया गया हो या यह किसी

7.70 लाख की नकली करेंसी बरामद, गैंग के सरगना सहित 4 आरोपी पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ में पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। गोरई थाना पुलिस और क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 7 लाख 70 हजार रुपये की नकली करेंसी बरामद की है। इसी के साथ चार आरोपियों को पकड़ा गया है, इनमें गिरोह का लीडर भी शामिल है। अलीगढ़ पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गोरई थाना पुलिस और क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग ने संयुक्त रूप से ये अभियान चलाया, जिसमें गिरोह के सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 7 लाख 70 हजार रुपये की नकली करेंसी बरामद की है। बरामद सभी नोट 500 रुपये के हैं। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सूचना के आधार पर की गई। क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग को

यूपी में कुदरत के कहर पर CM योगी का अधिकारियों को निर्देश; अखिलेश ने भी किया रिप्लेट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। विभिन्न हिस्सों में बैमौसम बारिश, भीषण आंधी और आकाशीय बिजली गिरने से भारी जनहानि हुई है। राज्य में इन प्राकृतिक आपदाओं के कारण अब तक कुल 89 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि जनहानि के साथ-साथ पशुहानि और आर्थिक नुकसान भी बड़े पैमाने पर हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस स्थिति का तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मृतकों के परिजनों और अन्य पीड़ितों को राहत पहुंचाने का काम 24 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए।

डीएम और वरिष्ठ अधिकारी खुद पहुंचें मौके पर

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों को एसी कमरों से निकलकर सीधे प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने को कहा है। सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि जिले के वरिष्ठ अधिकारी खुद पीड़ितों से मुलाकात करें और उनके साथ संवाद स्थापित कर हर संभव सहायता सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी है कि राहत कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही या पीड़ितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आर्थिक और कृषि हानि का आकलन करने के लिए राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों को मिलकर सर्वे करने का जिम्मा सौंपा गया है। सीएम ने निर्देश दिया है कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर नुकसान का सटीक आकलन कर शासन को तुरंत अद्यतन कराया जाए। पशुहानि और फसल बर्बादी के मामलों में भी जल्द से जल्द मुआवजा देने की बात कही गई है, ताकि प्रभावित परिवारों को इस संकट की घड़ी में आर्थिक संबल मिल सके। इधर, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी राज्य में मंची इस तबाही पर गहरा दुःख जताया है। 'जिलों-उन्होंने सरकार से मांग की है कि युद्ध स्तर पर राहत कार्य चलाए जाएं और घायलों के मुप्त इलाज के साथ-साथ प्रभावितों के लिए भोजन, पानी और अस्थाई आवास की व्यवस्था तुरंत की जाए। उत्तर प्रदेश में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली से हुए नुकसान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा संज्ञान लिया है। बाराबंकी, बहराइच, कानपुर देहात और हरदोई समेत 19 जिलों से जनहानि, पशुहानि और मकानों के क्षतिग्रस्त होने की खबरें आई हैं। सीएम योगी ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सभी जिलाधिकारियों को तुरंत मौका मुआयना करने और जल्द से जल्द सर्वे पूरा कर मुआवजा राशि जारी करने के निर्देश दिए हैं।

पश्चिम बंगाल में टूकों से होती है 'डंडा टैक्स' की वसूली, इंदौर से ट्रांसपोर्टर्स ने सीएम शुभेंद्रु अधिकारी को लिखा पत्र,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। ट्रांसपोर्टों के प्रमुख संगठन ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कार्रगस ने पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी को बुधवार को पत्र लिखकर मांग की कि राष्ट्रीय परमिट के आधार पर राज्य से गुजरने वाले वाहनों से 'विशेष शुल्क' की वसूली बंद की जाए। संगठन ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में यह 'विशेष शुल्क' अवैध तौर पर वसूला जा रहा है। एआईएमटीसी की क्षेत्रीय परिचय कार्यालय (आरटीओ) और यातायात मामलों की समिति के राष्ट्रीय चेरमैन सीएल मुकाती ने इस बारे में पत्र लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि केंद्र सरकार के 'एक राष्ट्र, एक कर' के सिद्धांत के विपरीत पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय परमिट वाले वाहनों से 'स्पेशल फी' (विशेष शुल्क) के नाम से भारी राशि 'अवैध तौर पर' वसूली जा रही है। पत्र में कहा गया कि 'डंडा टैक्स' के नाम कुख्यात इस वसूली के कारण राज्य की छवि धूमिल हो रही है और इससे ट्रांसपोर्टर्स ने अनुचित आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पत्र में मांग की गई है कि विशेष शुल्क की इस वसूली को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। मुकाती ने मुख्यमंत्री को अपने पत्र के साथ कम्प्यूटर से निकली 7,040 रुपये की रसीद भी भेजी है, जिसे पश्चिम बंगाल सरकार के परिवहन विभाग के नाम से जारी किया गया है। इस रसीद में मध्यप्रदेश में पंजीकृत एक वाहन से 'सर्विस/यूजर चार्ज' और 'ट्रान्जेक्शन फी' की मद में 20-20 रुपये और 'स्पेशल फी' के तौर पर 7,000 रुपये के भुगतान का जिक्र है। ऐसी रसीदों में इसका कोई उल्लेख नहीं किया जाता कि विशेष शुल्क किस कानूनी प्रावधान के तहत वसूला जा रहा है।



महानगर मेट्रो
PULSE OF THE NATION
National Newspaper | Hindi & English
Breaking News | Ground Reports | Exclusive Stories
Delivering Truth. Speed. Impact.
Stay informed. Stay ahead.
FOLLOW US: [Social Media Icons]
Group Editor: Pawan Makan | +91-9638877700

अपने साथ 4 आदमी लाई थी महिला...72 साल के ष्ट्र को हनीट्रेप में फंसाकर किडनैप और लूट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। के पॉश इलाके सैनिक फार्म में 72 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट को हनीट्रेप के जरिए बनाकर अपहरण और लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है. आरोपियों ने पहले बुजुर्ग को घर में बंधक बनाया, फिर नकदी और जेवर लूटे तथा फिरोती की मांग की. पुलिस ने सेना के एक जवान समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया. साउथ दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में एक 72 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट को हनीट्रेप में फंसाकर अपहरण और लूट की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों में सेना का एक कार्यरत जवान भी शामिल है. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बुजुर्ग को निशाना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से पूरी साजिश रची थी. पुलिस ने बताया कि घटना 2 मई की शाम की है, जब बुजुर्ग अपने सैनिक फार्म स्थित घर में अकेले थे. उन्हें लगा कि उनकी परिचित कल्पना कुमारी उनसे मिलने आ रही है. लेकिन जैसे ही महिला घर पहुंची, उसके साथ मौजूद अन्य लोग भी अंदर घुस गए और उन्होंने बुजुर्ग पर हमला कर दिया. आरोपियों ने उन्हें टेप से बांध दिया और घर में रखी नकदी, जेवर और जरूरी दस्तावेज लूट लिए. जांच के अनुसार, आरोपियों ने घर की अलमारी से करीब पांच लाख रुपये, दराज से नकदी, पर्स, सोने की अंगुठियां और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए. इसके बाद वे पीड़ित को उनकी ही कार में जबरन बैठाकर मेट्र की ओर निकल गए. रास्ते में आरोपियों ने बुजुर्ग से 50 लाख रुपये की फिरोती मांगते हुए उनके परिचितों को फोन करने का दबाव बनाया. हालांकि रकम का इंतजाम नहीं हो सका. इसके बाद आरोपी पीड़ित को हरियाणा के फिरोजपुर ज़िरका क्षेत्र के पास दिल्ली-मुंबई हाईवे पर छोड़कर फरार हो गए. किसी तरह बुजुर्ग एक ढाबे तक पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अपहरण, लूट और अपराधिक साजिश की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की. करीब 36 घंटे तक लगातार पीछा करने के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मथुरा से कल्पना और सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में सामने आया कि दोनों की मुलाकात इस्टाग्राम पर हुई थी और बाद में दोनों ने शादी भी की थी. इसके बाद उन्होंने इस वारदात की योजना बनाई. पुलिस ने बाद में हरियाणा के फतेहबाद जिले में छापेमारी कर दो अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया. उनके कब्जे से नकदी, सोने के जेवर, लूटे गए दस्तावेज और वारदात में इस्तेमाल की गई एयर गन बरामद की गई है. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी पहले भी इस तरह की घटनाओं में शामिल रहे हैं या नहीं.दिल्ली। के पॉश इलाके सैनिक फार्म में 72 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट को हनीट्रेप के जरिए निशाना बनाकर अपहरण और लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है. आरोपियों ने पहले बुजुर्ग को घर में बंधक बनाया, फिर नकदी और जेवर लूटे तथा फिरोती की मांग की. पुलिस ने सेना के एक जवान समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया. साउथ दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में एक 72 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट को हनीट्रेप में फंसाकर अपहरण और लूट की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों में सेना का एक कार्यरत जवान भी शामिल है. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बुजुर्ग को निशाना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से पूरी साजिश रची थी. पुलिस ने बताया कि घटना 2 मई की शाम की है, जब बुजुर्ग अपने सैनिक फार्म स्थित घर में अकेले थे. उन्हें लगा कि उनकी परिचित कल्पना कुमारी उनसे मिलने आ रही है. लेकिन जैसे ही महिला घर पहुंची, उसके साथ मौजूद अन्य लोग भी अंदर घुस गए और उन्होंने बुजुर्ग पर हमला कर दिया. आरोपियों ने उन्हें टेप से बांध दिया और घर में रखी नकदी, जेवर और जरूरी दस्तावेज लूट लिए. जांच के अनुसार, आरोपियों ने घर की अलमारी से करीब पांच लाख रुपये, दराज से नकदी, पर्स, सोने की अंगुठियां और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए. इसके बाद वे पीड़ित को उनकी ही कार में अजबरन बैठाकर मेट्र की ओर निकल गए. रास्ते में आरोपियों ने बुजुर्ग से 50 लाख रुपये की फिरोती मांगते हुए उनके परिचितों को फोन करने का दबाव बनाया.

हालांकि रकम का इंतजाम नहीं हो सका. इसके बाद आरोपी पीड़ित को हरियाणा के फिरोजपुर ज़िरका क्षेत्र के पास दिल्ली-मुंबई हाईवे पर छोड़कर फरार हो गए. किसी तरह बुजुर्ग एक ढाबे तक पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अपहरण, लूट और अपराधिक साजिश की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की. करीब 36 घंटे तक लगातार पीछा करने के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मथुरा से कल्पना और सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में सामने आया कि दोनों की मुलाकात इस्टाग्राम पर हुई थी और बाद में दोनों ने शादी भी की थी. इसके बाद उन्होंने इस वारदात की योजना बनाई. पुलिस ने बाद में हरियाणा के फतेहबाद जिले में छापेमारी कर दो अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया. उनके कब्जे से नकदी, सोने के जेवर, लूटे गए दस्तावेज और वारदात में इस्तेमाल की गई एयर गन बरामद की गई है. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी पहले भी इस तरह की घटनाओं में शामिल रहे हैं या नहीं.

दिल्ली में चलती स्लीपर बस में महिला को सचिककर गैंगरेप, ड्राइवर और कंडक्टर गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर निर्भया जैसी गैंगरेप की घटना सामने आई है। घटना दिल्ली के रानीबाग इलाके की है। रानीबाग इलाके में चलती प्रहवटे बस में महिला के साथ गैंगरेप हुआ है। पीड़िता के मुताबिक वह सोमवार रात काम से लौट रही थी। सरस्वती विहार बस स्टैंड पर उसने बस को हाथ दिया। बस धीमी हुई, ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला को जबरन अंदर खींच लिया और फिर पूरी रात उसके साथ गैंगरेप किया। बाद में आरोपी महिला को सड़क किनारे फेंककर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस मामले में FIR दर्ज करके बस को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की पहचान करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि बस को कब्जा में ले लिया गया है। इसकी फॉरेंसिक जांच की जाएगी। पुलिस टीम इस बात की भी पुष्टि कर रही है कि क्या इस अपराध में और भी लोग शामिल थे। बहरहाल, महिला ने बताया कि आरोपी वारदात के बाद उसे सुनसान इलाके में फेंककर भाग गए। किसी तरह उसने पुलिस को फोन करके पूरी घटना की जानकारी दी। शिकायत मिलते ही रानीबाग थाना पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और बस की पहचान कर ली। इसके बाद बस को जब्त करके ड्राइवर और कंडक्टर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

देवेन्द्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के सभी मंत्रियों और ब्यूरोक्रेट्स के विदेशी दौरे किए रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के निर्देशों के आधार पर महाराष्ट्र के मंत्रियों और अधिकारियों के पहले से मंजूर विदेश दौरों को रोक दिया गया है। अब अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े काम वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए किए जाएंगे, ताकि सरकारी खर्च कम हो सके और देश के इंधन बचाने के अभियान को भी बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य के मंत्रियों और उच्च-रैंकिंग वाले सरकारी अधिकारियों के लिए पहले से तय विदेश दौरों को तुरंत रद्द करने का आदेश दिया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि राज्य प्रशासन ने प्रशासनिक कामों या स्टडी टूर के लिए तय सभी आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरों को रोकने के निर्देश जारी किए हैं। इस अचानक और सख्त कदम का मुख्य मकसद राज्य के खजाने पर पड़ने वाले बोझ को कम करना और जनता को वित्तीय अत्यास न व खर्चों में कटौती का एक मजबूत संदेश देना है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि शासन-प्रशासन का काम बिना किसी रुकावट के चलता रहे, सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी जरूरी अंतरराष्ट्रीय सम्झौते, बैठकें और विचार-



विमर्श वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही किए जाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का तुरंत प्रभाव से असर भी हुआ है। पर्यटन, खनन और महिला व बाल विकास मंत्री शंभराज देसाई ने लंदन और पेरिस के अपने तय दौरे को रद्द कर दिया।

परिवार के साथ छुट्टी पर जानेवाले थे मंत्री

बताया जा रहा है कि यह यात्रा तीन महीने पहले से ही एक निजी पारिवारिक छुट्टी के तौर पर तय की गई थी, लेकिन मंत्री देसाई ने इसे रद्द करने का फैसला किया, ताकि वे इंधन बचाने और विदेशी मुद्रा बचाने की देशव्यापी भावना के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा में भी विधायकों के जापान के लिए तय स्टडी टूर को रद्द कर दिया गया। इस बात की पुष्टि

पाकिस्तानी शहजाद भट्टी लिंक केस : मुंबई के मीरा रोड, पुणे, नागपुर समेत महाराष्ट्र ATS के ताबड़तोड़ छापे, 57 युवाओं से पूछताछ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने बुधवार को पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और डोगरा गिरोह के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस कार्रवाई का मकसद उन लोगों को निशाना बनाना है, जो पाकिस्तान-स्थित गैंगस्टर नेटवर्क जिनमें शहजाद भट्टी गिरोह और डोगरा गिरोह शामिल हैं या उनसे जुड़े हुए हैं या उनके साथ संबंध रखते हैं। अधिकारियों के अनुसार, एटीएस की समन्वित छापेमारी बुधवार सुबह 8 बजे महाराष्ट्र के कई स्थानों पर शुरू हुई और देर रात तक चली। इस दौरान कुल 57 लोगों से पूछताछ की। इनमें मुंबई इलाके के 17 लोग, छत्रपति संभाजीनगर के 14 लोग, और पुणे और नासिक के 8-8 लोग शामिल हैं। एटीएस ने नालासोपारा, मीरा रोड, नागपुर, पुणे, मुंबई, अकोला, नांदेड़, नासिक और जलगांव में छापे मारे। यह अभियान एक बड़ी कार्रवाई का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राज्य के भीतर सक्रिय कथित गैंगस्टर-संबंधित नेटवर्क को खत्म करना और उन व्यक्तिों की पहचान करना है, जिन पर इन गिरोहों के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध रखने का संदेह



है। गैंगस्टर के संबंधों पर फंसे अधिकारियों ने बताया कि एटीएस उन व्यक्तियों से पूछताछ करने की योजना बना रही है, जिनका कथित तौर पर इन गैंगस्टरों से संबंध है। इनमें वे लोग भी शामिल हैं जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से उनके संपर्क में हैं या जिनके बारे में माना जाता है कि वे इन नेटवर्क के फॉलोअर्स या समर्थक हैं।

पाकिस्तान में बैठकर महाराष्ट्र के युवाओं को बना रहा था निशाना

जांच एजेंसियों के अनुसार, समय-समय पर मिली खुफिया जानकारी से संकेत मिला था कि सीमा

22 विधायक बीजेपी में जा सकते हैं...रोहित पवार के दावे से महाराष्ट्र में सियासी भूकंप, क्या फिर टूटेगी एनसीपी

मुंबई। दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार के प्लेन क्रैश की सीबीआई जांच की मांग को लेकर मुहिम छेड़े विधायक रोहित पवार के दावे से महाराष्ट्र में सियासी हड़कंप मच गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार के विधायक रोहित पवार ने दावा किया है राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 22 विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। पवार ने यह बयान ऐसे वक्त पर दिया है जब सुनेत्रा पवार की अगुआई वाली एनसीपी में कार्यकारिणी के लिस्ट को लेकर बखेड़ा खड़ा हुआ है, हालांकि एनसीपी नेता रोहित पवार के दावों का खंडन कर रहे हैं। कार्यकारिणी विवाद के बीच किया दावा



मिलने पर सियासत गरमा गई थी। भारत निर्वाचन आयोग सचिव को संबोधित पत्र में सुनेत्रा पवार ने एनसीपी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के 22 सदस्यों की सूची भेजी है। महाराष्ट्र के दिवंगत नेता अजित पवार के बेटे पार्थ पवार और जय पवार को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। राज्यसभा के लिए निर्वाचित पार्थ पवार को महासचिव नियुक्त किया

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नावेंकर ने की। सरकार का यह कदम तब आया है, जब प्रधानमंत्री मोदी ने नेताओं और अधिकारियों से अपील की थी कि वे अनावश्यक विदेश यात्राओं और खर्चों से बचें, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। यह अपील ऐसे समय में की गई है, जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और पश्चिम एशिया में चल रहा संकट इंधन की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता पर असर डाल रहा है। खर्चों में कटौती के मुख्यमंत्री के कुछ प्रमुख निर्णय मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों के काफिले में गाड़ियों की संख्या तुरंत आधी कर दी जाए। यात्रा के दौरान काफिले में गाड़ियों की संख्या तय संख्या से ज्यादा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पुलिस कमिश्नर या सुपरिटेण्डेंट ऑफ पुलिस जिम्मेदार हों। मंत्रियों और अधिकारियों को कोई भी विदेश यात्रा नहीं करनी चाहिए। मंत्रियों को सरकारी विमान, हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल तब तक नहीं करना चाहिए, जब तक बहुत जरूरी न हो। इसके बजाय रेगुलर हवाई सेवाओं का इस्तेमाल करना चाहिए। अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग होनी चाहिए। शासन द्वारा वितरित की गई गाड़ियों का डिटेल में रिव्यू किया जाना चाहिए।

विदेशी दौरे रद्द, नो कार डे लागू... पयल बवाने के लिए दिल्ली सरकार के बड़े निर्देश



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार के लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड और बाढ़ सिंचाई विभाग ने पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए सप्ताह में एक दिन 'नो कार डे' लागू किया है. इन विभागों ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के विदेशी दौरों पर रोक लगाया है, इसके साथ इलेक्ट्रिक वाहनों, कार पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली के लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड और बाढ़ सिंचाई विभाग ने 11 बड़े निर्देश जारी किए हैं. विभागों में अब सप्ताह में एक दिन 'नो कार डे' लागू किया जाएगा. इसके साथ ही अगली सूचना तक अधिकारियों के विदेशी दौरों पर भी रोक लगा दी गई है.

लॉबित विदेश यात्रा प्रस्तावों को तत्काल प्रभाव से रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं. नई गाइडलाइन के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों को सरकारी वाहनों का इस्तेमाल न्यूनतम करने को कहा गया है. विभाग ने सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया है. विभागों के वाहन बेड़े को तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के आदेश भी जारी किए गए हैं.

इन विभागों ने अपने कर्मचारियों को निरीक्षण, फील्ड विजिट और कार्यालय आने-जाने के दौरान कार पूलिंग अपनाने की सलाह दी है. सरकारी कार्यक्रमों और निरीक्षणों में ग्रुप टैवल के लिए इलेक्ट्रिक वाहन या सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने को कहा गया है. निर्देशों में डीजल चालित पंपों की जगह इलेक्ट्रिक पंप और स्थायी पंपिंग स्टेशनों के उपयोग पर भी जोर दिया गया है. साथ ही अनावश्यक यात्राओं को कम करने के लिए वर्चुअल बैठकों को बढ़ावा देने की बात कही गई है. इसके अलावा सभी कार्यालय परिसरों में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं. दिल्ली सरकार के विभागों में बागवानी से संबंधित कार्यों में केवल जैविक खाद के इस्तेमाल को अनिवार्य किया गया है. दिल्ली सरकार ने सभी विभागों से इन निर्देशों के पालन की साप्ताहिक रिपोर्ट जमा करने को भी कहा है.

सामान की डिलिवरी होगी सुपरफास्ट, दिल्ली में बनेंगे बड़े स्टोरेज सेंटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में माल ढुलाई और आपूर्ति व्यवस्था को आधुनिक, तेज और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग नीति बनाने में जुटी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह नीति दिल्ली को देश के प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगी। इससे शहर में ट्रैफिक और प्रदूषण कम होगा, वहीं उद्योग, निवेश और रोजगार को नई गति मिलेगी। सीएएम ने बताया कि नीति के तहत शहर के बाहर की क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स वितरण केंद्र विकसित किए जाएंगे। यहां बड़े स्तर पर आने वाले माल को एक जगह स्टोर करने के बाद फिर शहर के अंदर सप्लाइ किया जाएगा। इसके साथ ही बाजार स्तर के गोदाम और माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर भी बनाए जाएंगे, जिससे अंतिम चरण तक डिलीवरी व्यवस्था अधिक तेज और व्यवस्थित हो सकेगी।



ग्रीन लॉजिस्टिक्स और कोल्ड स्टोरेज पर सरकार का फोकस

उन्होंने कहा कि सरकार की योजना अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) के आधुनिकीकरण के साथ लॉजिस्टिक्स कोरिडोर, ट्रक टर्मिनल और पार्किंग हब विकसित करने की भी है। मंडियों के पास कोल्ड स्टोरेज बनाए जाएंगे, जिससे भंडारण और परिवहन प्रणाली मजबूत होगी और शहर के भीतर ट्रैफिक का दबाव घटेगा। नीति में हरित और स्वच्छ लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के साथ सौर ऊर्जा आधारित वेयरहाउसिंग को प्रोत्साहित किया जाएगा।

AI और डिजिटल सिस्टम से बदलेगा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क

सीएम ने बताया कि इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) के जरिए माल की आवाजाही की रियल-टाइम निगरानी की जा सकेगी। एआई आधारित प्लानिंग, डिजिटल फ्रेट मैनेजमेंट और रूट ऑप्टिमाइजेशन सिस्टम लागू किए जाएंगे, जिससे डिलीवरी सिस्टम अधिक पारदर्शी होगा। इस नीति से ई-कॉमर्स, गारमेंट, निर्माण सामग्री, फल-सब्जी और इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा।

CEO समेत तीन को पुलिस का नोटिस, IPL के पास और टिकटों की कालाबाजारी का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टैडियम के बाहर IPL मैचों के कॉम्प्लिमेंट्री पास और टिकटों की कालाबाजारी के केस की जांच दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन तक पहुंच गई है। क्राइम ब्रांच ने डीडीसीए के सचिव, चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर (CEO) और उनके निजी सहायक को नोटिस भेजा है। तीनों को टिकट बंटवारे के रिकॉर्ड समेत गुरुवार सुबह शकरपुर स्थित क्राइम ब्रांच के ऑफिस आने को कहा गया है। नॉटिस मिलने के बाद दिल्ली क्रिकेट में हड़कंप मच गया है। पुलिस अफसरों के मुताबिक, डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा 'मामा', सीईओ आरआर सिंह और उनके पीए राकेश को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 179 के तहत नोटिस दिया गया है। इसके मुताबिक, पुलिस किसी केस की जांच के दौरान 'गवाह' किसी भी शख्स को तलब कर सकती है। नोटिस में पूछा गया है कि कॉम्प्लिमेंट्री पास या टिकट किसकी कस्टडी में रहते हैं, उन्हें किस तरह से इश्यू किया जाता है? पुलिस अफसरों का कहना है कि अगर जांच के दौरान डीडीसीए पट्टल पंप के मैनेजर पंकज यादव को अरेस्ट किया गया। पुलिस ने इसे रिमांड पर लिया तो खुलासा हुआ कि इसे डीडीसीए के अंदर से टिकट और पास मिलते थे।

महाराष्ट्र में विमान कंपनियों को बड़ी राहत, एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत किया

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बड़ी विमान इंधन कीमतों और हवाई मार्गों पर पड़े असर के बीच महाराष्ट्र सरकार ने विमान कंपनियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने पश्चिम एशिया टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाला वैट (वैट) 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नया कर दर 15 मई 2026 से लागू होगा और 14 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। सरकार के इस फैसले से एटीएफ पर 11 प्रतिशत की सीधी कटौती हुई है, जिससे विमान कंपनियों के इंधन खर्च में कमी आने की संभावना है। भारतीय एयरलाइंस के कुल संचालन खर्च में इंधन की हिस्सेदारी लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में इस टैक्स कटौती को विमान उद्योग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सफाई चैन प्रभावित हुई है और कई देशों के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण उड़ानों के रूट लंबे हो गए हैं और विमान कंपनियों को लागत बढ़ गई है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय नागर विमान मंत्रालय ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से एटीएफ पर टैक्स कम करने को लेकर खरीदी की थी। देश में एटीएफ पर सबसे ज्यादा वैट लगाने वाले राज्यों में तमिलनाडु (29 प्रतिशत), दिल्ली (25 प्रतिशत) और महाराष्ट्र शामिल थे। महाराष्ट्र में पहले 18 प्रतिशत वैट लगाया जा रहा था, जिसे अब घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। इस बीच सरकार को ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जबकि विमान इंधन पर टैक्स कम किया गया है। इसे लेकर अब आम लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि सरकार क्या अब आम जनता को भी राहत देने के लिए कदम उठाएगी?

अमिताभ बच्चन के बाद रणवीर कपूर ने खरीद रामनगरी में जमीन

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या को लेकर बॉलीवुड के कलाकारों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। महानायक अमिताभ बच्चन के बाद अभिनेता रणवीर कपूर ने भी अयोध्या में 2.42 करोड़ की जमीन का एग्रीमेंट कराया है। रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी। यह जमीन 'द हाउस ऑफ अमिन्दन लोढ़ा ग्रुप' की परियोजना में ली जा रही है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने पहले ही सरयू तट पर दो जमीनें खरीदीं और एक का एग्रीमेंट कराया है। अब दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे रणवीर कपूर ने भी सरयू तट पर जमीन खरीदने के लिए एग्रीमेंट कराया है। बताया गया है कि अभिनेता रणवीर के पॉवर ऑफ अटॉर्नी ने गुरुवार को 198.26 वर्ग मीटर जमीन का एग्रीमेंट द हाउस ऑफ अमिन्दन लोढ़ा ग्रुप के साथ किया है। यह जमीन सरयू तट के तिहुड़ा माझा क्षेत्र में ली जा रही है। जमीन की कीमत दो करोड़ 42 लाख 15 हजार 786 रुपये बताई गई है। लोढ़ा ग्रुप श्रीराम मंदिर से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर नई खास डेवलप कर रहा है। लोढ़ा ग्रुप के साथ ही उसके आसपास भी लोग जमीन खरीद रहे हैं। उपायुक्त स्टाफ योगेश प्रताप सिंह को निवेश लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अभिनेता रणवीर कपूर के पॉवर ऑफ अटॉर्नी की ओर से मुकुवार् को लोढ़ा ग्रुप के साथ जमीन का एग्रीमेंट कराया है। जमीन की रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी।

पहले ही कहा था... साइकिल से बेहतर कुछ नहीं, पेट्रोल की बढ़ी कीमतों पर अखिलेश का तंज

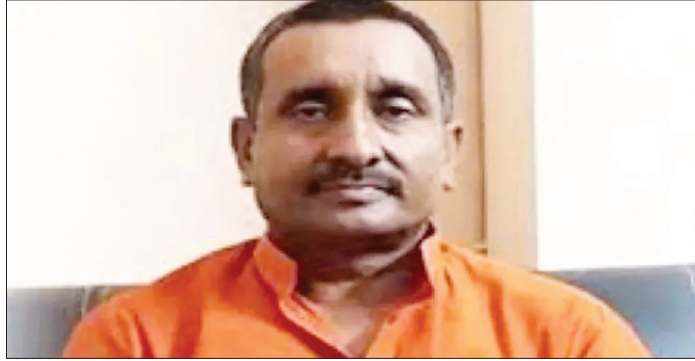
लखनऊ (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी का एलान किया है। इस फैसले को लेकर सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार की घेराबंदी की है। अखिलेश ने एक्स पर टट्टी किया, मैंने पहले ही कहा था..... साइकिल से बेहतर कुछ नहीं। बता दें कि अखिलेश ने योगी मंत्रिमंडल में विभाग के बंटवारे में हो रही देरी पर भी योगी सरकार को घेरा है। टट्टी कर लिखा कि उप्र में मंत्रियों के नाम के बाद, अब क्या उनके विभागों की 'पर्वी' भी ऊपर से आएगी?

पंजाब में ईंधन मूल्य वृद्धि पर विपक्ष हमलावार, आम आदमी की कमर तोड़ने वाला फैसला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अचानक हुई तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने तीव्र राजनीतिक हल्ला शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने केंद्र सरकार पर हमला बोलकर फैसले को आम आदमी की कमर तोड़ने वाला और जनविरोधी बताया है। विपक्ष का आरोप है कि यह वृद्धि किसानों और मध्यम वर्ग पर भारी बोझ डालेगी, जिससे दैनिक जरूरत की सभी चीजें महंगी होंगी। पंजाब के वित्त मंत्री और आप के वरिष्ठ नेता हनुमान सिंह चीमा ने कदम को भाजपा का किसान-विरोधी और जनविरोधी चेहरा बनेका करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और ईंधन महंगा करती है और दूसरी तरफ धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सिर्फ 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी करती है, जो किसानों की आय पर सीधा वार है। मान सरकार में मंत्री चीमा के अनुसार, एमएसपी बढ़ाकर तुरंत लिखत महंगा करने से किसानों का वाजिब मुआवजा छीना गया है। वहीं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वॉडन ने भी केंद्र पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मोदी सरकार पर पाखंड का आरोप लगाकर कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी वाहनो के कम इस्तेमाल, कार पुलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का उपदेश देते हैं, और दूसरी तरफ पुराचा पेट्रोल-डीजल महंगा कर देते हैं। कांग्रेस नेता वॉडन ने कहा कि कांग्रेस की इससे किसानों, दूक ऑपरेटर्स और मध्यम वर्गीय परिवारों पर ज्यादा भार पड़ेगी, जिससे जरूरत की हर चीज फिर महंगी होगी और अबकी बार, पेट्रोल सौ के पार की स्थिति बनेगी। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी बढ़ोतरी को कमरतोड़ बताकर कहा कि इससे पहले से ही महंगाई से जुझ रहे आम आदमी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भी इसकी भार डोलनी पड़ेगी, और 72 रुपये की मामूली एमएसपी वृद्धि से उन्हें राहत नहीं मिलेगी।

उन्नाव रेप केस: सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका, रद्द हुआ हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप मामले में अहम फैसला सुनाकर पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दे दिया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया है, जिसमें सेंगर को उन्नाव के सजा निर्वाह की गई थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची को पीठ ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस उच्च न्यायालय भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अपील को खींचकर रद्द कर दिया उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह सेंगर के दोषसिद्धि और उन्नाव के सजा के खिलाफ दायर याचिका पर दो माह के भीतर फैसला करने का प्रयास करे। यह फैसला तब आया है जब बीते साल दिसंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर को जमानत पर रिहा करने और उनकी उन्नाव के सजा को निर्वाह करने का आदेश दिया था। इस आदेश पर पीड़िता और आम जनता में गहरा आक्रोश देखने को मिला था, जिसके बाद सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके पहले 29 दिसंबर को भी सुप्रीम में दिल्ली उच्च न्यायालय के जमानत के आदेश पर रोक लगा दी थी।

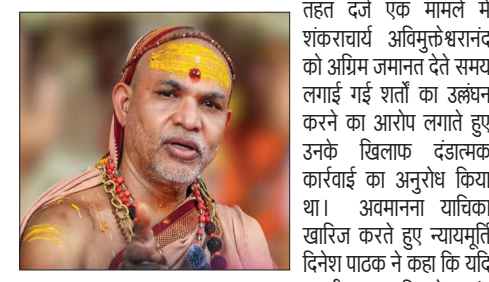


शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, सेंगर को ओर से वरिष्ठ वकील एन. हरिहरन ने दलील दी कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग नहीं थी। हालांकि, सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील का पुरजोर विरोध किया। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय का यह मानना गलत है कि एक विधायक लोक सेवक नहीं होता। जस्टिस बागची ने भी इस

दृष्टिकोण से सहमति जताकर कहा कि उच्च न्यायालय का यह जहरत से ज्यादा तकनीकी दृष्टिकोण सही नहीं है। सीजेआई ने उच्च न्यायालय से इस बात पर भी फिर से विचार करने को कहा है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉस्को एक्ट) के तहत मुकदमा चलाने के लिए एक विधायक को लोक सेवक माना जा सकता है या नहीं। दरअसल, 23 दिसंबर 2023 के अपने आदेश में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि सेंगर को पॉस्को एक्ट की धारा 5(सी) (एक लोक सेवक द्वारा यौन शोषण) के तहत दोषी ठहराया गया था, लेकिन एक चुनौतीपूर्ण भारतीय दंड संहिता की धारा 21 के तहत लोक सेवक की परिभाषा में फिट नहीं बैठता है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सेंगर को जेल में ही रहना होगा और उच्च न्यायालय को मामले की फिर से विस्तृत सुनवाई करनी होगी।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ अवमानना याचिका खारिज

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुक्तानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ दायर अवमानना याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। आशुतोष महाराज ने प्रयागराज में पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत देते समय लगाई गई शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया था। अवमानना याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने कहा कि यदि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं, तो याचिकाकर्ता के पास इस अदालत द्वारा दी गई अग्रिम जमानत निरस्त कराने के लिए आवेदन दायित्व करने का वैधानिक उपाय उपलब्ध है। इससे पहले न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने इस अवमानना याचिका पर सुनवाई से स्वयं को यह कहते हुए अलग कर लिया था कि वह इस मामले को सुनवाई नहीं करना चाहते। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने मामला न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की अदालत को सौंप दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कई सभाएं कर रहे हैं और सार्वजनिक बयान दे रहे हैं, जो अदालत के आदेश का उल्लंघन है।



ममता के वकील ड्रेस पर बार काउंसिल प्रमुख बोले- फर्जी लोग घूमते रहते हैं

-बीसीआई ने लाइसेंस पर उठाए सवाल, जांच शुरू

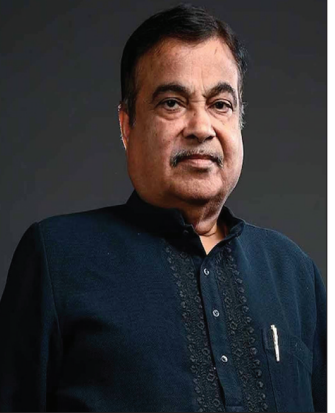


कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील की ड्रेस पहनकर पेश होने पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने उनके वकालत करने के वैध लाइसेंस पर संदेह व्यक्त करते हुए आधिकारिक जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने तीखा तंज करते हुए कहा कि कई फर्जी लोग भी सक्रिय रहते हैं, इसलिए इस मामले को पुष्टि करना आवश्यक है। शैक्षणिक प्रोग्रामों की बात करें तो ममता बनर्जी के पास जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज से कानून (एलएलबी) की डिग्री है। हालांकि, बार काउंसिल के नियमों के अनुसार, किसी भी लाभकारी या संबंधित पद पर रहने के दौरान वकालत का लाइसेंस निर्वाह करना अनिवार्य होता है। वर्तमान में बीसीआई इस बात की जांच कर रहा है कि वह आरजी कर मामले में सुप्रीम कोर्ट गई थीं, तब वह वकील की वेशभूषा में नहीं थीं, लेकिन इस बार उन्होंने निर्धारित ड्रेस पहनकर कोर्ट में पेश कीं। इस घटना के बाद बीसीआई ने पश्चिम बंगाल राज्य बार काउंसिल को पत्र लिखकर दो दिनों के भीतर ममता बनर्जी के कानूनी

बसों में बढ़ती आग पर गडकरी का ऐलान, यात्रियों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुरक्षा

भारत में बनेगी अमेरिका और यूरोप जैसी बसें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बसों में आग लगने और सड़क हादसों की लगातार बढ़ती घटनाओं से चिंतित केंद्र की मोदी सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया कि आने वाले समय में देश में यूरोप और अमेरिका के स्तर की अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस बसें तैयार होंगी। उन्होंने कहा कि इन नए सुरक्षा मानकों को केवल नई बसों में ही नहीं, बल्कि पुरानी बसों में भी अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य बस यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना और हादसों में होने वाली जनहानि को कम करना है।



बस से बाहर नहीं निकल पाते, क्योंकि आपातकालीन दरवाजे जाम होते हैं या उसमें लोहे

की रॉड जैसी बाधाएं लगी होती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की बसों का उदाहरण देकर बताया कि उसमें बड़े इमरजेंसी एलार्म और विशेष प्लास्टिक हथौड़े होते हैं, जिससे यात्री शीशा तोड़कर तुरंत बाहर आ सकते हैं। अब भारत में बनने वाली नई बसों में इस तरह के फीचर्स अनिवार्य किए जाएंगे। केंद्र सरकार के नए सुरक्षा मानकों में बेहतर इमरजेंसी एग्जिट, सीट बेल्ट, अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम, इमरजेंसी लाइट और ड्रॉइवर की सिलेंडर और हाई-टेंशन तारों के संपर्क में आना बसों में आग लगने के प्रमुख कारण हैं। केंद्र फैक्ट्रियों में ही बनाया जा सकेगा और बिना फायर सेफ्टी जांच के उनका पंजीकरण नहीं होगा। नियमों का उल्लंघन कर अवैध बदलाव करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल की सजा तक हो सकती है।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप

-संदिग्ध विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही लुफ्थान्सा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 वी में बम होने की धमकी से शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दवा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है और हैदराबाद पहुंचने से पहले उसमें धमाका कर दिया जाएगा। इस संदेश के मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसियां, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और केंद्रीय ओडोडॉगिक सुरक्षा बल तुरंत अलर्ट मोड पर आ गए।



राहत की बात यह रही कि विमान ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को सीधे विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी सघन जांच की गई। सुरक्षा बलों

जांच के दौरान एक अन्य मामले में भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। बैंकों जाने की तैयारी कर रहे सैयद इमामुल अली नामक एक यात्री के सामान की जांच सीआईएसएफ जवानों ने सामान्य बैगज स्क्रीनिंग की, तो उसमें संदिग्ध विदेशी करेंसी पाई गई। जांच करने पर बरामद की गई विदेशी मुद्रा की भारतीय कीमत लगभग 11,85,930 रुपये आंकी गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने उचित दस्तावेज न होने के कारण पूरी रकम को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारी अब इस बात की तपशील कर रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से लाई गई थी और इसे अवैध रूप से बैंकों कबों ले जाया जा रहा था। इसी दौरान, हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा

श्रीलंका का मट्टाला एयरपोर्ट को लेकर भारत की बढ़ी सामरिक चिंताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका सरकार द्वारा दक्षिणी शहर हंबनटोटा के पास स्थित मट्टाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को विदेशी निवेशकों को सौंपने की नई प्रक्रिया शुरू करने से भारत की चिंताएं एक बार फिर बढ़ गई हैं। रणनीतिक रूप से बेहद सवेदनशील माने जाने वाले इस हवाईअड्डे की स्थिति चीन के नियंत्रण वाले हंबनटोटा बंदरगाह के बेहद करीब है, जिसके चलते नई दिल्ली इस पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है। श्रीलंका सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से आगामी 9 जून तक एक्सप्रेस ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किए हैं। यह हवाईअड्डा 30 वर्षीय बिल्ड-ऑपरेट-ट्रान्सफर मॉडल के तहत निवेशकों को सौंप जाने का प्रस्ताव है, जिसमें तय अवधि के बाद इसे पुनः श्रीलंका सरकार को वापस कर दिया जाएगा।



99 साल की लीज पर चीन को सौंप दिया था। वर्ष 2013 में करीब 20.9 करोड़ डॉलर की लागत से बने मट्टाला हवाईअड्डे के लिए भी 19 करोड़ डॉलर का ऋण चीन के एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक से लिया गया था। आधुनिक रनवे के बावजूद यह एयरपोर्ट कभी भी यात्री और एयरलाइन ट्रैफिक आकर्षित नहीं कर सका और अब तक इसे करीब 13 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान हो चुका है। ऐसे में यह आशंका गहरी गई है कि कहीं हंबनटोटा पोर्ट की तरह यह हवाईअड्डा भी अंततः चीन के हाथों में न चला जाए।

एके एंटनी की सलाह से बदला राहुल गांधी का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चली लंबी माथापच्ची आखिरकार गुरुवार को समाप्त हो गई है। पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन के नाम पर मुहर लगाई है, जबकि राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री को दौंस दे बाहर हो गए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस फैसले के पीछे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी की अहम भूमिका रही, जिन्होंने राहुल गांधी का रुख बदलने में निर्णायक योगदान दिया। सूत्रों के अनुसार शुरुआती दौर में राहुल गांधी केसी वेणुगोपाल के नाम के पक्ष में थे। हालांकि केरल कांग्रेस संगठन, सहयोगी दलों और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच वीडी सतीशन के नाम पर अधिक सहमति दिखाई दे रही थी। सतीशन को जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाला नेता माना जाता है और यही बात अंततः उनके पक्ष में गई। जब मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ने लगे तो कांग्रेस नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता एके एंटनी से राय मांगी। सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाने वाले एंटनी ने स्पष्ट रूप से कहा कि



जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ओमान चांडी को राज्य की कमान सौंपी गई थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि हार की राय आज भी कांग्रेस नेतृत्व में बेहद अहम मानी जाती है। इसका उदाहरण 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद बनी -एके एंटनी कमेटी- भी रही, जिसने पार्टी को हार पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार की थी। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगा और इससे हिंदू मतदाताओं के बीच दूरी बनी। माना जाता है कि इसी रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए साफ्ट हिंदुत्व की लाइन अपनाई थी।

कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

-दिल्ली की जेलों में अब जेल प्रशासन की मंजूरी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जेलों में अब कैदियों के पार्सल को लेकर जेल प्रशासन की मंजूरी और प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी। जेल मुख्यालय ने एक बेहद सख्त और व्यापक संस्करण जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्सल की जांच और वितरण में अब किसी भी

स्तर पर पारदर्शिता से समझौता नहीं होगा। नए दिशा-निर्देशों का सीधा संदेश है कि पार्सल रोकना या उसमें देरी करना अब स्टाफ की मर्जी का खेल नहीं, बल्कि जवाबदेही होगा।

मंडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन के संज्ञान में समय-समय पर ऐसी बातें आती रही हैं जहां पार्सल प्राप्त करने की प्रक्रिया में देरी आसफ़ला के कारण कैदियों और उनके स्वजन को असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार सुरक्षा जांच के नाम पर पार्सल लंबे समय तक लंबित रहते थे। अब पार्सल केवल

निचले स्तर के कर्मियों द्वारा नहीं जांचे जाएंगे। डिप्टी सुपरिंटेंडेंट स्तर के अधिकारी की व्यक्तिगत मौजूदगी में ही पार्सल खोला जाएगा। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

जेल के वेलफेयर ऑफिसर को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर हफ्ते पार्सल रजिस्टर की जांच करें। उन्हें यह रिपोर्ट देनी होगी कि किसी भी कैदी को उसके सामाजिक या आर्थिक कर्जों को भुगतान की सुविधा से वंचित तो नहीं किया जा रहा। यदि किसी पार्सल को सुरक्षा कारणों से अस्वीकार किया जाता है या उसमें



कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

कोटयाक इंडस्ट्रीज का बड़ा ऐलान 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर

मुंबई ।

माइक्रो-कैप कंपनी कोटयाक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 10:1 के अनुपात में बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है, जिसका अर्थ है कि निवेशकों को उनके प्रत्येक 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर दिए जाएंगे। यह पहली बार है जब कंपनी अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर रही है। हालांकि, बोनस शेयर की रिक्तों डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है। इस घोषणा के बाद, कोटयाक इंडस्ट्रीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर उछाल के साथ 446.30 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले पांच साल से भी कम समय में यह मल्टीबैगर स्टॉक 400 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया है। 18 नवंबर 2021 को जहां यह शेयर 88.30 रुपये पर था, वहीं 15 मई 2026 तक यह 446.30 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों ने हाल के महीनों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। बीते छह महीनों में इसमें 80 प्रतिशत से अधिक का उछाल दर्ज हुआ है। वहीं, इस साल अब तक कोटयाक इंडस्ट्रीज के शेयरों में 85 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। बीते चार महीनों में यह स्टॉक 110 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। इसका 52 हफ्ते का शीर्ष स्तर 448.35 रुपये और निचला स्तर 318.30 रुपये है। वित्तीय मोर्चे पर भी कोटयाक इंडस्ट्रीज ने मजबूत प्रदर्शन किया है। 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 9.38 करोड़ हो गया, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1.51 करोड़ रुपये था। इसी तिमाही में कंपनी का राजस्व भी सालाना आधार पर 221 प्रतिशत बढ़कर 63.66 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कोटयाक इंडस्ट्रीज बायोडीजल मैनुफैक्चरिंग और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में सक्रिय है, जो वेस्ट कुकिंग ऑयल, वैजिटेबल ऑयल और एनिमल फैट्स से बायोडीजल का उत्पादन करती है। कंपनी में प्रमोटों की हिस्सेदारी 63.84 प्रतिशत है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 36.16 प्रतिशत है।

निवेशकों की होगी चांदी, अगले हफ्ते एलएंडटी, हैवेल्स, जीएम बुअरीज कंपनी देगी डिविडेंड



नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में डिविडेंड से कमाई करने वाले निवेशकों के लिए अगला हफ्ता अहम रहने वाला है। लार्सन एंड टुब्रो, एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, सुला वाइनायार्ड्स, हैवेल्स इंडिया, जीएम बुअरीज, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी समेत कई कंपनियों ने डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक इन कंपनियों के शेयर 19 मई 2026 से 22 मई 2026 के बीच एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। डिविडेंड का फायदा पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड तारीख से पहले शेयर खरीदने होंगे।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने 40 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने 22 मई 2026 को रिक्तों डेट तय किया है। इसके बाद लार्सन एंड टुब्रो ने 38 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। वहीं ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी 11.70 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगी। जीएम बुअरीज ने 9 रुपए प्रति शेयर, जबकि विनाइल केमिकल्स इंडिया ने 7 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। हैवेल्स इंडिया ने भी 6 रुपए प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड घोषित किया है।

कंपनी ने शेयरधारकों की पात्रता तय करने के लिए 24 मई 2026 को रिक्तों डेट रखा है। इसके अलावा जिंदल स्टील और सुला वाइनायार्ड्स 2-2 रुपए प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड देंगी। वहीं एलएंडटी फाइनेंस ने 2.75 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। अलिकॉन कास्टअलॉय, वर्कमैट्स और मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर ने भी अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। मैग इन्फ्रास्ट्रक्चर 0.72 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगा, जबकि अतिशय ने 1 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। दोनों कंपनियों ने 19 मई 2026 को रिक्तों डेट तय किया है।

जीक्यूजी पार्टनर्स ने अदाणी एंटरप्राइजेज से अपनी हिस्सेदारी बेची

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियां देखने को मिलीं। विदेशी निवेश कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने अदाणी एंटरप्राइजेज में अपनी 0.46 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर करीब 1,435 करोड़ रुपये जुटाए। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, जीक्यूजी पार्टनर्स इमर्जिंग मार्केट्स इंडिटी फंड ने अदाणी एंटरप्राइजेज के करीब 58.9 लाख शेयर 2,435.6 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव पर बिके, जिन्हें एसबीआई म्यूचुअल फंड ने खरीदा। मार्च 2026 तिमाही के

अंत तक, जीक्यूजी की अदाणी एंटरप्राइजेज में अन्य फंडों के द्वारा करीब 3.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बरकरार थी। गुरुवार को शेयर बाजार का कारोबार खत्म होने पर अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 2,713.6 रुपये पर बंद हुआ। इसी कड़ी में, बागमाने प्राइम ऑफिस आरआईआईटी ने शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की। इसकी यूनिट्स लिस्टिंग के बाद करीब 4 प्रतिशत बढ़कर 103.7 रुपये पर बंद हुई, जबकि इश्यू प्राइस 100 रुपये था। कंपनी का 3,405 करोड़ रुपये का आईपीओ निवेशकों को खूब भाया और यह करीब 25 गुना सब्सक्राइब हुआ।

बागमाने प्राइम ऑफिस आरआईआईटी मुख्य रूप से बेंगलुरु में प्रीमियम ग्रेड ए प्लस ऑफिस पार्कों का मालिकाना हक व प्रबंधन करती है।

उधर, एसेट मैनेजमेंट कंपनियां एएसके अल्टरनेटस और लाइटहाउस कैप्टन ने भारत के तेजी से बढ़ते प्राइवेट क्रेडिट मार्केट में नए फंड लॉन्च किए हैं। एएसके अल्टरनेटस का लक्ष्य 2,500 करोड़ रुपये जुटाना है, जबकि लाइटहाउस कैप्टन अपने नए फंड के जरिए 1,200 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। दोनों



कंपनियां मजबूत सुरक्षा वाले लोन पर फोकस करेंगी। इनका मकसद निवेशकों को हाई-टिन (करीब 15 से 19 प्रतिशत) तक रिटर्न देना है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में निजी क्रेडिट मार्केट तेजी से बढ़ रहा है और निवेशकों की इसमें दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है।

मुंबई में सीएनजी के साथ पेट्रोल-डीजल के भी बढ़े दाम, परिवहन पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली ।

देश में एक बार फिर ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। मुंबई में सीएनजी के दाम 2 रुपए प्रति किलो बढ़ा दिए गए हैं। अब मुंबई में सीएनजी की नई कीमत 84 रुपए प्रति किलो हो गई है। यह बढ़ोतरी महानगर गैस लिमिटेड की ओर से की गई है, जिससे सीधा असर वाहन चालकों और सीएनजी पर चलने वाले

परिवहन पर पड़ेगा। सीएनजी के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दोनों ईंधनों के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में अब डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 97.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इस बढ़ोतरी का असर रोजमर्रा की जरूरतों और ट्रांसपोर्ट खर्च पर पड़ना तय है। रिपोर्ट के मुताबिक

ईंधन की कीमतों में यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय बाजार से भी जुड़ा हुआ है। हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर पहुंच गई थीं। हालांकि बाद में इनमें थोड़ी गिरावट आई और यह 100 से 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर हुई। विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर सप्लाइ चैन में बाधा और तनावपूर्ण हालात के कारण तेल की कीमतों में

उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक हेमूजि क्षेत्र में तनाव और आंशिक रूप से सप्लाइ बाधित होने की वजह से वैश्विक तेल बाजार प्रभावित हुआ है। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिसका असर भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों पर भी पड़ रहा है। भारत दुनिया के उन बड़े देशों में शामिल है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

संसेक्स 160, निफ्टी 46 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दोपहर बाद बिकवाली हावी होने से आई है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान मार्केट में तेजी देखने को मिली थी पर दिन के अंत में उसके हाथ से बंद निकल गयी। मेटल, ऑयल एवं गैस तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के

बीच निवेशकों की सतर्कता से भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 160.73 अंक नीचे आकर 75,237.99 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.10 अंक फिसलकर 23,643.50 पर बंद हुआ, जिससे इसकी दो दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया। आज टाटा स्टील, स्टे बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स

लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेट, एक्सिस बैंक और एशियन पेट्रोल संसेक्स शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इंडोसिस, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिवर्सिटी और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों में तेजी रही। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.45 फिसदी की गिरावट और

निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.61 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी की निफ्टी 50 की कंपनियों में टाटा मोटर्स पीवी, डॉ रेड्डीज में, इंडोसिस और टेक महिंद्रा में बढ़त रही जबकि हिंडालको क्वालिटी वॉल्स, नेस्ले इंडिया म, टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह संसेक्स 98 अंक बढ़कर 75,497 पर और निफ्टी 41 अंक ऊपर 23,731 के स्तर पर खुला।

अदानी एयरपोर्ट्स और आईएचजी के बीच बड़ा समझौता, भारत में आगगा किम्पटन ब्रांड

मुंबई ।

अदानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड ने वैश्विक आतिथ्य कंपनी आईएचजी होटल्स एंड रिजार्ट्स के साथ भारत में पांच नए होटल तैयार करने के लिए एक समझौते की घोषणा की। यह साझेदारी मुंबई, नवी मुंबई और अहमदाबाद सहित प्रमुख हवाई अड्डों के करीब और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में करीब 1,500 कमरे जोड़ेगी। यह समझौता भारत में आईएचजी की विस्तार रणनीति के अनुरूप है, इसके तहत विभिन्न ब्रांडों के तहत नए होटल विकसित किए जाएंगे। इस करार का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आईएचजी का लक्जरी ब्रांड किम्पटन होटल्स एंड रेस्तरां पहली बार भारतीय बाजार में आएगा। इन होटलों का विकास जयपुर, मंगलूरु, तिरुवनंतपुरम और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में भी किया जाएगा। अदानी समूह की कंपनी एएएचएल वर्तमान में मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलूरु और तिरुवनंतपुरम सहित आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है। अदानी एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रणव अदानी ने इस समझौते को हवाई अड्डों के आसपास विश्वस्तरीय एकीकृत गंतव्य विकसित करने के लक्ष्य के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी यात्रा, उठने और शहरी सुविधाओं के बेहतर समन्वय के साथ उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं और अंतरराष्ट्रीय मानक सुनिश्चित करेगी। आईएचजी के प्रबंध निदेशक (दक्षिण पश्चिम एशिया) सुदीप जैन ने भारत के आतिथ्य क्षेत्र, विशेष रूप से हवाई अड्डा-आधारित शहरों में बड़ी संभावनाओं पर जोर दिया, जहां व्यवसाय, पर्यटन और ट्रांजिट यात्रियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आईएचजी वर्तमान में भारत में छह ब्रांडों के तहत 52 होटल संचालित करती है और अगले तीन से पांच वर्षों में 98 नए होटल खोलने की योजना बना रही है। दोनों कंपनियां इस साझेदारी को और विस्तार देने के लिए भी उन्नत स्तर की बातचीत कर रही हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी रोकने भुगतान में देरी के प्रस्ताव पर बैंकों की जताई सहमति

चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए

नई दिल्ली ।

धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए 10,000 रुपए से ज्यादा के खाता से खाता हस्तांतरण पर एक घंटे की देरी का प्रस्ताव करने वाले आरबीआई के चर्चा पत्र की कई हलकों में आलोचना हुई, लेकिन बैंक कुछ हद तक विलंब के विचार का व्यापक समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने के द्रौय बैंक से 10,000 रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25,000 रुपए करने का आग्रह किया है। सूत्रों ने कहा कि भुगतान उद्योग संगठन सेल्फ-रेग्युलेशन पीएसओ एफोसिएशन ने भी नियामक को अपनी प्रतिक्रिया भेजी है।

उद्योग ने चर्चा पत्र में सुझाए गए सुझावों के संभावित कार्यान्वयन से उत्पन्न परिचालन संबंधी मुद्दों को भी रेखांकित किया है।

उद्योग के एक सूत्र ने कहा कि चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए हैं।

यदि पी2एम प्रवाह के लिए इसी तरह के घोटाले शुरू हो जाएं तो क्या होगा? यह समस्या भरा हो सकता है। उद्योग ने उन परिचालन संबंधी मुद्दों को रेखांकित किया है जो सामने आ सकते हैं, जैसे विलंबित भुगतान, खातों की व्हाइटलिस्टिंग आदि। अप्रैल में जारी एक चर्चा पत्र में रिजर्व बैंक ने डिजिटल भुगतान में बढ़ती

धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए कई उपायों का सुझाव दिया था। इसमें लाभार्थी के खाते में धन जमा होने से पहले 10,000 रुपए से ज्यादा के डिजिटल भुगतानों में एक घंटे की देरी करना शामिल है। अन्य उपायों में कमजोर उपयोगकर्ताओं के लिए विश्वस्तरीय व्यक्तिगत द्वारा अतिरिक्त प्रमाणीकरण, जिन खातों में बड़ी राशि जमा होती है, उनकी कड़ी जांच और ग्राहक द्वारा किए जाने वाले सुरक्षा उपायों का विस्तार शामिल है।

यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब 10,000 रुपए से ज्यादा के लेनदेन में मात्रा के हिसाब से करीब 45 फीसदी और मूल्य के हिसाब से 98.5 फीसदी धोखाधड़ी हो रही है। डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी में पिछले 5 सालों में मूल्य के मामले में लगभग 41 गुना वृद्धि हुई है और यह लगभग 23,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। एक निजी क्षेत्र के बैंक के एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि इस बात को लेकर वास्तविक चिंता थी कि धोखाधड़ी खत्म करने के इन प्रयासों से सभी के लिए असुविधा पैदा हो सकती है क्योंकि जो चीज तत्काल होनी चाहिए, उसमें समय लगेगा। सुरक्षा और दक्षता के बीच संतुलन बनाना मुश्किल मुद्दा था। कुछ लोगों को लगा कि 10,000 रुपए की सीमा बहुत कम है और इसे बढ़ाया जाना चाहिए।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 22 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.86 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह 30 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर पहुंच गया। रुपयों में ये गिरावट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर निवेशकों की कमजोर धारणा के कारण आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि तेल की कीमतों में तेजी के बीच डॉलर की खरीदारी जारी रहने के कारण रुपया दबाव में है और यह 96 के निशान के बहुत करीब बना हुआ है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.86 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 तक टूट गया जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.96 के रिपोर्टेड निचले स्तर तक कमजोर हुआ। हालांकि, अंत में दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.64 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी की बढ़त के साथ 99.05 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेट क्रूड का भाव 1.30 फीसदी की बढ़त के साथ 107.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

न्यू एरा क्लीनटेक महाराष्ट्र में लगाएगी 3 अरब डॉलर का ऊर्जा संयंत्र

कोयले को गैस में बदलकर औद्योगिक रसायनों और ईंधन का करेगी उत्पादन

नई दिल्ली ।

मुंबई की न्यू एरा क्लीनटेक को उम्मीद है कि वह अपनी 20,000 करोड़ रुपए वाली बड़ी कोयला गैसीकरण परियोजना के पहले चरण का वित्तीय समापन दिसंबर 2026 तक कर लेगी और इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण ऑर्डर दे देगी। यह परियोजना महाराष्ट्र में चंद्रपुर के भद्रवती में स्थापित की जा रही है। नागपुर के पास स्थित यह इकाई भारत में नियोजित सबसे बड़े कोयला गैसीकरण और कार्बन कैप्चर संयंत्रों में से एक होगी। यह सालाना 50 लाख टन कोयले को गैस में बदलकर उर्वरक, खनन, वस्त्र और पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल किए जाने वाले अहम औद्योगिक रसायनों और ईंधन का उत्पादन करेगी। यह परियोजना दो चरणों में



विकसित की जा रही है। इसके लिए तीन सालों में कुल 3 अरब डॉलर का निवेश जरूरी है। कंपनी संस्थापक और प्रबंध निदेशक बालासाहेब डाराडे ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि पहले चरण में कंपनी करीब 1 अरब डॉलर का निवेश करेगी। इसके बाद दूसरे चरण में अतिरिक्त 2 अरब डॉलर का निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम पहले चरण में करीब 12 से 16 लाख टन

कोयले को गैस में तब्दील कर 1 अरब डॉलर के निवेश की बात कर रहे हैं। दूसरे चरण में यह दोगुना हो जाएगा।

कुल मिलाकर जब संयंत्र पूरी तरह से चालू होगा, तो हम हर साल करीब 50 लाख टन कोयले को गैस में तब्दील करने की क्षमता देख रहे हैं।

पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और उसके परिणामस्वरूप पैदा हुए ऊर्जा संकट ने अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी ईंधन इनपुट के मामले में भारत की आयात पर निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस संकट ने सरकार को ऐसी नीतियां बनाने के लिए प्रेरित किया है, जिनसे कोयला गैसीकरण में निवेशकों की दिलचस्पी फिर से बढ़ाई जा सके।

ऐसा करके इन महंगे आयातों में कटौती की जा सकती है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। ये गिरावट मुनाफावसूली के कारण आई है। इससे दोनों ही कीमतों धातुओं के वायदा भाव में भी गिरावट रही। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,550 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,81,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। वहीं मल्टी कोमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 1,188 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,60,790 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,61,978 रुपये था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 11,102 रुपये की गिरावट के साथ 2,80,000 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,91,102 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 10,077 रुपये की गिरावट के साथ 2,81,025 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,81,765 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,79,458 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। कॉमेक्स पर सोना 4,654.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 84 डॉलर के भाव पर खुले।

डीजल संकट से खतरों में सीवी उद्योग की रिकवरी

मुंबई ।

भारत का वाणिज्यिक वाहन (सीवी) उद्योग, जो अंततः वित्त वर्ष 2019 के थोक बिजनी के अपने शीर्ष स्तर को पार कर चुका है, अब एक नए खतरे का सामना कर रहा है। बेहतर वाहन कीफायत, जीएसटी के कारण लागत में कमी और इंधनसंस्करण पर लगातार हो रहे खर्च ने रिकवरी को संभव बनाया। लेकिन, टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी गिरीश वाघ के अनुसार, डीजल की कीमतें इस पूरे चक्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हैं।

टुक ऑपरेटर्स के लिए, सेगमेंट और ड्यूटी साइकल के आधार पर, डीजल कुल स्वािमिल लागत (टीसीओ) का 25 से 50 प्रतिशत तक होता है। खुरदा डीजल की कीमत में करीब 1 रुपये की वृद्धि से टीसीओ में उसी अनुपात में बढ़ोतरी होती है, जिसका सीधा असर उन सेगमेंट पर पड़ता है, जहाँ डीजल की हिस्सेदारी अधिक होती है। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक वाघ ने इस पहलू को अत्यंत महत्वपूर्ण निगरानी योग्य बताया, जिस पर कंपनी सक्रिय रूप से नजर रख रही है कि खुरदा कीमतें किस दिशा में बढ़ सकती हैं और वाहन मालिकों के लिए परिचालन कीफायत के लिहाज से इसका

क्या मतलब होगा। यह खतरा तब सामने आया है जब पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। हालांकि भारत में खुरदा उपभोक्ता अभी तक इसके पूरे असर से बचे हुए हैं, क्योंकि सरकारी तेल विपणन कंपनियां घाटा खुद उठा रही हैं, लेकिन यह सुरक्षा कवच सीमित है और जल्द ही हट सकता है।

वित्त वर्ष 2026 में सीवी बाजार में जो तेजी देखी गई, उसकी मुख्य वजह वाहन ऑपरेटर्स की आर्थिक स्थिति में आया सुधार था। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक वाघ ने इस अवधि को सीवी उद्योग के लिए एक अहम मोड़ बताया, जिसमें जीएसटी सुधारों और इंधनसंस्करण पर लगातार हो रहे खर्च की बदौलत बिजनी का आंकड़ा वित्त वर्ष 2019 से पहले के अपने सबसे ऊंचे स्तर को पार कर गया। सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में कटौती ने गाड़ियों की शुरुआती कीमतें कम कीं, रुकी हुई मांग फिर से शुरू हुई और माल दुलाई की दरें स्थिर होने से ऑपरेटर्स का नकदी प्रवाह बेहतर हुआ। डीजल की कीमतों में कोई भी बड़ी बढ़ोतरी इन हालिया लाभों को खतरों में डाल देगी, जिससे उन ऑपरेटर्स की परिचालन लागत बढ़ जाएगी जो अभी-अभी बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं।



चील को मिला चकमा



बहुत दिन हुए एक सीधा-सादा, नाटा और बदनसूरत देहाती रहता था। उसका नाम था- हाजी बगलोल। उसकी अजीब-सी बकरे जैसी दाढ़ी थी, जिसकी वजह से वह बिल्कुल बकरे जैसा ही दिखता था। उसने अपनी सारी ज़िन्दगी गांव में ही बिताई थी। एक बार वह अपनी मौसी के घर दूसरे गांव गया। उसकी मौसी ने उसे कलेजी खाने को दी, जो उसे बहुत स्वादिष्ट लगी। उसने

अपनी मौसी से कलेजी बनाने की विधि पूछी। मौसी ने विधि एक कागज़ पर लिखकर हाजी को दे दी। हाजी बगलोल ने कागज़ को बहुत सम्भालकर अपनी जेब में रख लिया। रास्ते में उसने एक किलो कलेजी खरीदी और उसे पॉलीथिन में डालकर हाथ में लिए अपने गांव की तरफ जा रहा था कि एक चील ने वह पॉलीथिन देख लिया। बेसब्र चील ने गोर से झपटा मारा और कलेजी को लेकर उड़

गई। पहले तो इस आकस्मिक हमले से हाजी बगलोल घबरा गए। जब उसने चील को ऊपर उड़ते देखा, तो ठहाका लगाकर हंस पड़ा। जिन लोगों ने यह पूरा वाकया देखा था, वे हैरान थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि गुस्सा करने के बजाए हाजी ठहाका मारकर हंस क्यों रहा है। मानो कोई बहुत खुशी की बात हो। एक तो चील तुम्हारे हाथ से कलेजी ले

उड़ी, उस पर तुम हंस रहे हो। ऐसी क्या बात हो गई भाई? एक आदमी ने पूछा। उसने खुशी-खुशी कहा, 'मैं तो उस चील की बेवकूफी पर हंस रहा हूँ। बेचारी चील कलेजी तो छीन ले गई। उसको बनाने की विधि जो मौसी ने लिखकर दी थी, वह तो मेरी जेब में ही रह गई। अब वह चील कलेजी का करेगी क्या?

बच्चों को बिगाड़ रहे हैं मोबाइल फोन

आज मोबाइल फोन हमारी जरूरत बन गए हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि मोबाइल फोन से 8 साल के बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो रही है। यह अध्ययन से 15 साल के एक हजार बच्चों पर बेस्ट है। इसमें यह पाया गया कि इनमें से आधे बच्चों के पास आईफोन जैसे स्मार्टफोन थे। ज्यादातर बच्चों ने कहा कि ये फोन उन्हें उनके माता पिता ने दिए हैं। ये बच्चे इन मोबाइलों का इस्तेमाल हिंसक और पॉर्न कंटेंट देखने में करते हैं। इससे पता चलता है कि ब्रिटेन के 12 लाख बच्चे मोबाइलों पर गलत सामग्री देखते हैं। कारफोन वेयरहाउस के सर्वे के मुताबिक दस में से करीब 9 बच्चों के मोबाइल पर सिक्वोरिटी सेटिंग नहीं थी और 46 पर्सेंट इस बात से अंजान थे कि मोबाइल में सिक्वोरिटी सेटिंग होना जख्सी है। इनमें 27 प्रतिशत बच्चों ने बताया कि उन्हें अनवॉन्टेड कॉल्स और मेसेज रिसेव होते हैं। चाइल्ड साइकॉलॉजिस्ट प्रोफेसर तान्या बायर्सन जो कि यूके सरकार को चाइल्ड इंटरनेट सेफ्टी लागू करने की सलाह दे चुके हैं, उनके मुताबिक इंटरनेट के जमाने में इस स्टडी से मुझे कोई हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर आपके बच्चे मोबाइल फोन यूज करते हैं, जिनमें इंटरनेट एक्सेस होता है तो आपको संभलने की जरूरत है।



कहां से आया फलों का राजा

आम को इसकी मिठास तथा गुणों के कारण भारत में फलों का राजा कहा जाता है। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि पूरे विश्व में आम भारत से ही गया है। डी कन्डोले के अनुसार भारत में चार हजार वर्षों से भी पहले से इसकी खेती हो रही थी। फाहियान और ह्वेनसांग का भी मत है कि यह फल राजा आम्प्रधारिका ने गौतम बुद्ध को भेंट किया था। कहा जाता है कि अपनी विश्वविजय के दौरान सिकंदर को इसका स्वाद इतना भाया कि वह आम की कलमें अपने साथ यूरोप ले गया। मुगल बादशाह बाबर तो आम का इतना दीवाना था कि उसने अपना ताज उतारकर आम के ऊपर रख दिया था, ताकि कोई अन्य इसका स्वाद न ले सके। सांची तथा भरहुत के स्तम्भों और अजन्ता के भित्तिचित्रों में भी आम का चित्रण पाया गया है। अमीर खुसरो ने भी आम को 'फल सम्राट' की उपाधि दी थी।

आपने आम की लंगड़ा, दशहरी, सफेदा आदि किस्मों के बारे में अवश्य सुना होगा। आम की यह किस्में संसारभर में मशहूर हैं। शरबती, कलमी, तोतापरी, नीलम, जाफरानी, चौसा, मल्लिका, केसर, फजली, लहू, पसेरा, माल्टा, अलफान्सो आदि आम की कुछ अन्य बेहतरीन किस्में हैं।

आम के इन विभिन्न नामों के पीछे का इतिहास भी कोई कम दिलचस्प नहीं है। लंगड़े आम के बारे में कहा गया है कि यह आम बनारस में विकसित हुआ है। वहां के एक विश्व मंदिर में एक लंगड़े साधु के पास आम के दो छोटे पौधे थे, जिनकी कलमें जंगल से उड़कर उसके पास आ गई थीं। साधु ने इन्हें बो दिया तथा जी-जान से उनकी देखभाल करने लगा।

कुछ वर्षों के पश्चात जब इन वृक्षों पर आम के फल लगे, तब साधु ने इन्हें शिव की मूर्ति पर चढ़ा दिया। कुछ समय के बाद उसने इन वृक्षों का कार्यभार पुजारी को सौंप दिया। पुजारी किसी को इनकी कलम न देता, पर प्रसाद के रूप में आम को भक्तजनों में बांट देता। भक्तजन इन रसीले आमों को खाकर तृप्ति का अनुभव करते।

धीरे-धीरे इन आमों के अनूठे स्वाद की चर्चा काशी नरेश तक पहुंची। काशी नरेश स्वयं मंदिर पधारे। शिव की पूजा करके उन्होंने पुजारी से कलम मांगी। पुजारी ने उन्हें कलम दे दी। जिससे आम के पौधे बने। यह आम फैलता चला गया और लंगड़ा आम कहलाया।

इसी तरह दशहरी आम का नाम लखनऊ के दशहरी गांव पर पड़ा है। मलीहाबादी आम का नामकरण भी मलीहाबाद नगर से हुआ है। दशहरी आम बादशाह कुतुबुद्दीन ऐबक के शासनकाल में विकसित हुआ।

आम को कई किस्में काफी अनोखी हैं। 'शरीफा' आम दूर से सचमुच शरीफा दिखता है। 'अंगूरा' आम पेड़ पर अंगूर के गुच्छे जैसे आकार में लगते हैं। 'करेला' आम का रूप-रंग करेले जैसा होता है। 'चितला' आम छिलके से ही हरा-सफेद नहीं होता। उसे काटने पर भीतरी गूदा भी हरा-सफेद होता है। 'नीमचढ़ा' का स्वाद कुछ-कुछ कड़वा होने के कारण ही इसका यह नाम पड़ा है। 'लैला-मजनु' नामक किस्म की खासियत यह है कि लैला तथा मजनु नामक आम के दो पेड़ साथ-साथ लगे होने पर ही फल देते हैं, अन्यथा नहीं।

'गुलदाना' खट्ट है तो 'छोटा जहांगीर' वाकई छोटा और बेहद

आम

मीठा है।

'एग मैगो' बिल्कुल अंडे जैसा लगता है। 'दानापुरी कवडन' की खासियत है कि यह अपने वृक्ष पर केवल एक ही पैदा होता है। महाराष्ट्र के 'कौकण कृषि विद्यापीठ' में भारतीय कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने बिना गुठली का नाम विकसित करने में सफलता प्राप्त की है। इस आम को 'सिन्धु' नाम दिया गया है। इसके अलावा गोपाल भोग, इब्राहिम, कश्मीर, जुलेखां, हिटलर, जालिम अंडा, कक्कडी, कंचन, अर्जुन, महबूबा, वेलियन, नवाब गुड़, बीरबल, महाराज, बादशाह, चांद बीबी, हिटलर, केडी, हुस्नेआरा, लता, मोहन भोग, कालापानी, कोबरा, जेलर, फजरी जैसे आम अपनी बेमिसाल रूप-रंगत, निराले स्वाद के अलावा अपने नाम से भी लाजवाब कर देते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार किस्में पाई जाती हैं।

इसके अलावा गोपाल भोग, इब्राहिम, कश्मीर, जुलेखां, हिटलर, जालिम अंडा, कक्कडी, कंचन, अर्जुन, महबूबा, वेलियन, नवाब गुड़, बीरबल, महाराज, बादशाह, चांद बीबी, हिटलर, केडी, हुस्नेआरा, लता, मोहन भोग, कालापानी, कोबरा, जेलर, फजरी जैसे आम अपनी बेमिसाल रूप-रंगत, निराले स्वाद के अलावा अपने नाम से भी लाजवाब कर देते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार किस्में पाई जाती हैं।

आत्मनिर्भर- पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं। सुरक्षा-सहायता- पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके

कितने सारे टीचर्स!!!

फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ अपने फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं।

खुद पर नाज- इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। यही तो है आपकी पहचान।

नहीं करते बर्बाद- ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं।

कैसी थी दुनिया की पहली पेंसिल

क्या आप जानते हैं कि आपकी पढ़ाई की साथी आपकी पेंसिल का सबसे पहला रूप कैसा था? दुनिया की पहली पेंसिल ग्रेफाइट छड़ों का एक गुच्छा मात थी जिन्हें एक डोरी से बांधा गया था। इसके बाद किसी ने सोचा कि ग्रेफाइट छड़ को एक लकड़ी की खोखली छड़ के अंदर रखना चाहिए। जोसेफ रिचर्डरफर पहले व्यक्ति थे जिन्होंने पेंसिल के टप पर रबर लगाने के बारे में सोचा। ताकि लिखते वक्त हुई गलतियों को आसानी से ठीक किया जा सके। एक पेंसिल से आप 35 मील लंबी लाइन खींच सकते हैं या अंग्रेजी के 50,000 शब्द लिख सकते हैं।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइंट्स में मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइंट्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनों ही टीमों जीत के इरादे से उतरेगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइंट्स इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइंट्स जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइंट्स ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनों ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है। इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान अजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष्ण रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमयी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कप्तान कगिसो रबाडा, मोहम्मद



सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष्ण रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनोष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- सौरभ दुवे।

गुजरात टाइंट्स : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- प्रसिद्ध कृष्णा।

थाईलैंड ओपन: पीवी सिंधु कड़े संघर्ष में हारी, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे



बैंकाक (एजेंसी)। पूर्व और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में भारत की पीवी सिंधु शुरुवार को यहां थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन के महिला सिंगल्स फाइनल में जापान की अकानो यामागुची से कड़े संघर्ष में हार गईं।

2019 की बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन और महिला सिंगल्स रैंकिंग में मौजूदा नंबर 12 पर काबिज सिंधु ने पहला गेम जीता और मैच के दूसरे मिड-गेम इंटरवल में चार पॉइंट की बढ़त के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर बढ़ती दिखीं। हालांकि, दुनिया की नंबर 3 और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यामागुची ने अपने ट्रेडमार्क फाइटबैक से मैच का रुख पलट दिया और 61 मिनट में 19-21, 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने हेड-टू-हेडरिकॉर्ड में 15-13 की मामूली बढ़त बनाए रखी है। यामागुची पर उनकी सबसे यादगार जीत टोक्यो 2020 ओलंपिक्स के फाइनल में मिली थी। हालांकि, शुरुवार के नतीजे ने जापानी स्टार से चिराग और सात्विक दो बार के थाईलैंड ओपन चैंपियन हैं, जिन्होंने क्रमशः 2019 और 2024 में पुरुषों के डबल्स खिताब जीते हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन, दिन में बाद में पुरुषों के सिंगल्स फाइनल में घरेलू पसंदीदा कुनलावुत विटिडसान (पूर्व विश्व चैंपियन और पेरिस 2024 रजत पदक विजेता) से भी हारेंगे।

डेविड बेकहम यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बने

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान सर डेविड बेकहम 2026 संडे टाइम्स रिच लिस्ट में यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। लिस्ट बनाने वालों के अनुसार, बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वे खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर हैं, जो पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन के परिवार से पीछे हैं, जिनकी संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। बीबीसी स्पोर्ट्स के अनुसार उत्तरी आयरलैंड के रॉरी मैकलरॉय 325 मिलियन पाउंड के साथ सातवें स्थान पर हैं, 37 साल के इस गोल्फर के लगातार दो मार्स्टर्स चैंपियन बने के बाद। इस बीच, मैनेस्टर यूनाइटेड के को-ओनर सर जिम रेटविलफ यूईई के कुल मिलाकर सातवें से नौवें स्थान पर आ गए हैं।

यूनाइटेड के पूर्व मिडफील्डर बेकहम अब अमेरिकन वलब इंटर मिगामो की को-ओनर हैं, जो 1.45 अरब डॉलर (1.07 अरब पाउंड) के साथ मैजर लीग सॉकर की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी होने का अनुमान है। 51 साल के बेकहम, जिन्हें नवंबर में नाइटहुड की उपाधि दी गई थी, एडिंडस और ह्यूगो बॉस जैसी कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके फैशन लेबल से आई है, जो शुरू में स्पाइस गर्ल्स की मेबर के तीर पर साभारू हुई थी।



ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टैटम टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं। ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारूपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फिल्टॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लॉयर्स (इंग्लैंड) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहायक स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएं निभाई हैं।

सारा को कोच बनाये जाने को लेकर



ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फिल्टॉफ और एडवर्नी के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। की ने आगे कहा, इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। वह जिस तरह से अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं। हॉपकिंसन की अनुपस्थिति के बारे में बताते हुए, की ने स्पष्ट किया, कार्ल हॉपकिंसन आज के क्रिकेट जगत के चलन के अनुसार फिलहाल मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मुंबई इंडियंस के लिए काफी काम है, इसलिए हम भविष्य में निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग करेंगे, बस इस सीरीज के लिए नहीं। यह नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है।

सैमसन को मिला पूर्व भारतीय कोच का समर्थन, कहा- भारत की टी20आई कप्तानी के लिए संजू मजबूत दावेदार

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री का मानना है कि संजू सैमसन राष्ट्रीय टीम की टी20आई कप्तानी के लिए एक दावेदार हैं। उन्होंने इसके पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में राजस्थान रॉयल्स (RR) के पूर्व कप्तान के तौर पर उनके अनुभव और बल्ले से उनकी बढ़ती निरंतरता और परिपक्वता का हवाला दिया। दो महीने पहले सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने अपने घर पर ICC पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। उन्होंने 5 पारियों में कुल 321 रन बनाए जिनमें वेस्टइंडीज के खिलाफ 'सुपर आउट' के अहम मुकाबले से लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले तक, लगातार तीन अर्धशतक शामिल थे।

'The ICC Review' पर संजना गणेशन से बात करते हुए शास्त्री ने कहा, 'अगले (टी20) विश्व कप (2028 में) तक भारत एक नए कप्तान की तलाश में हो सकता है; यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ सालों में सूर्या का प्रदर्शन कैसा रहता है। लेकिन संजू सैमसन ने खुद को कप्तानी की भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया है, क्योंकि वह पहले भी राजस्थान (रॉयल्स) के लिए यह भूमिका निभा चुके हैं।' शास्त्री का कहना है कि सैमसन की आक्रामक बल्लेबाजी उन्हें टीम की प्लेइंग इलेवन में एक निश्चित जगह दिलाती है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे लगता है कि यह तो बस शुरूआत है; अगले दो-तीन सालों में आप संजू से और भी बहुत कुछ देखने वाले हैं।'

सैमसन ने IPL में पांच सीजन राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है जिसमें 2022 का सीजन भी शामिल है, जब टीम उर्विजेता रही थी। इंटरनेशनल क्रिकेट में सैमसन अपने करियर की सबसे बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने



IPL के मौजूदा सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के लिए भी उसी फॉर्म को बरकरार रखा है। इस सीजन में उन्होंने 11 पारियों में 53.75 की औसत और 169.29 के स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। इस साल टी20 मैचों में सैमसन ने 21 पारियों में 46.88 की औसत और 177.50 के स्ट्राइक रेट से 797 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

सैमसन की निरंतरता (consistency) को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन शास्त्री को अब ऐसा नहीं लगता कि यह कोई मुद्दा है, क्योंकि इस साल उनके खेल में एक नई तरह की परिपक्वता देखने को मिली है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (सैमसन ने) उन सभी सवालों पर विराम

लगा दिया है। उसमें काबिलियत तो हमेशा से थी। असल में लोग इसलिए निराश होते थे क्योंकि वह अपनी उस काबिलियत के साथ न्याय नहीं कर पाता था।'

पूर्व भारतीय कोच ने आगे कहा, 'लेकिन इस सीजन में जिस तरह से उसने टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन के बाद खेला है, जहां उसने अकेले दम पर भारत को कई मैच लगभग जिता ही दिए थे; बड़े मैच, फाइनल-फाइनल (वेस्टइंडीज, सुपर 8), सेमी-फाइनल, फाइनल-और जिस तरह से उसने आगे बढ़कर निम्नकारी संचालों है तथा IPL में अब जो परिपक्वता वह दिखा रहा है, उसे देखते हुए मेरी नजर में वह भविष्य में टीम की कप्तानी संभालने का एक मजबूत दावेदार बन गया है।'

कीरोन पोलार्ड ने चौथे अंपायर को कहे अपशब्द, मुंबई इंडियंस के कोच पर लगा भारी जुर्माना



धर्मशाला - मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर चौथे अंपायर के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच गुरुवार को यहां खेले गए मैच के दौरान घटी। मुंबई ने इस रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की। IPL ने शुरुवार सुबह जारी प्रेस विज्ञापन में कहा, 'मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल की खिताबियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनको खाल्टे में एक डिमिटेड अंक जोड़ा गया है।' इसमें कहा गया है, 'पोलार्ड को IPL की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अपद्रव्य भाषा का उपयोग' से संबंधित है। यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में घटी जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अपशब्द कहे।' पोलार्ड ने अपना अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी पंकज धरमानी द्वारा लगाए गए दंड को मान लिया। पोलार्ड पर पहले भी आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है।

हार्दिक पांड्या के भविष्य पर अटकलों के बीच शार्दुल ठाकुर का बड़ा बयान, कहा- कुछ सही हैं और कुछ गलत

धर्मशाला (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच बड़ा बयान देते हुए कहा कि कुछ सही हैं, कुछ गलत। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया कि पांड्या खेले जाने के कारण पिछले तीन मैच में नहीं खेल पाए तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (चक्र) के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक मुंबई की टीम के साथ धर्मशाला नहीं गए थे जहां उनकी टीम ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे और इसलिए जयराज बुमराह ने कप्तानी की। वह इस सत्र में टीम के तीसरे कप्तान थे।

ठाकुर ने कहा, 'हार्दिक चोटिल हैं और इसलिए वह पिछले कुछ मैच में नहीं खेल पाए।' हार्दिक पीटटुर्द के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर (RCB) के खिलाफ भी मैच में नहीं खेल पाए थे। ठाकुर ने कहा, 'वह रायपूर (10 मई को RCB के मैच के लिए) गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए। वह अभी मुंबई में अस्थाय कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वह कोलकाता (20 मई को इंडन गार्डन्स) में खेलेंगे। उनके जैसे खिलाड़ियों की कमी हमें हमेशा खलती है।'

मुंबई इंडियंस की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक का इस दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसलिए फेंचाइजी के

साथ उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। ठाकुर ने इन अफवाहों को सिर से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर काफी चर्चा चल रही है, कुछ सही हैं, कुछ गलत। लेकिन उनमें धर्मशाला नहीं आने का फैसला टीम प्रबंधन ने किया था।'

पंजाब किंग्स के खिलाफ ठाकुर ने 39 रन देकर चार विकेट लिए और मुंबई की जीत में अहम भूमिका निभाई। ठाकुर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह के साथ मेरा तालमेल अच्छा है। हमने काफी बातचीत की है। मुझे अन्य गेंदबाजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से वह अपने विचार साझा करने में कभी संकोच नहीं करते।'



आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनों ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाए और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाए। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो



आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी

दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी

उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलाही बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष्ण रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष्ण की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : पाटीदार

मुंबई । रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलाही बल्लेबाज फिल सॉल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार सॉल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। सॉल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाए। उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन काँक्स को उतार सकती है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो



लिस्बन । पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतना का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्वकप में अब तक वह सफल नहीं हुए हैं। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्वकप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़ा उनकी अदृष्ट प्रतिबद्धता और असाधारण कोशल का परिचायक है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हेमरिटिंग में खिंचाव का पराग्र रह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है। यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है। विश्वकप में पुर्तगाल को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसे कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो जैसी टीमों का सामना करना होगा। इस ग्रुप को देखते हुए, पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी बेहतर मानी जा रही है। विश्व कप 2022 में पुर्तगाल की टीम फाइनल तक पहुंची थी पर मोरक्को से 1-0 से मिली अप्रत्याशित हार के साथ वह बाहर हो गयी थी। उस महत्वपूर्ण मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सबस्टीट्यूट मेदान पर उतरे थे। इस बार, पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा। ग्रुप में कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

प्रीति जिंटा ने कठिन समय में अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौंसला बढ़ाया

धर्मशाला । आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की टीम को बेहतरीन शुरुआत के बाद पिछले पांच मैचों से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद भी टीम की सह-मालिक प्रीति जिंटा का समर्थन टीम को मिला है। प्रीति जिंटा ने लगातार अपनी टीम का हौंसला कठिन समय में बढ़ाया है। अपनी मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा से वह एक उम्मीद की किरण बनी हुई हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिठी करारी हार के बाद भी प्रीति जिंटा जिंटा के साथ नजर आईं। मुंबई के खिलाफ मिली इस हार से पंजाब की प्लेऑफ की उम्मीदें जरूर कमजोर हुईं पर इस मौके पर भी प्रीति ने स्टैडियम में मौजूद टीम प्रशंसकों को टी-शर्ट बॉटकर उनका दिल जीता। सोशल मीडिया पर प्रीति और प्रशंसकों के बीच इस दौरान हुई बातचीत की तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुईं, इसमें प्रशंसकों ने प्रीति के इस भाव की खुब सराहना की। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रीति जिंटा अपनी टीम और उसके प्रशंसकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं।



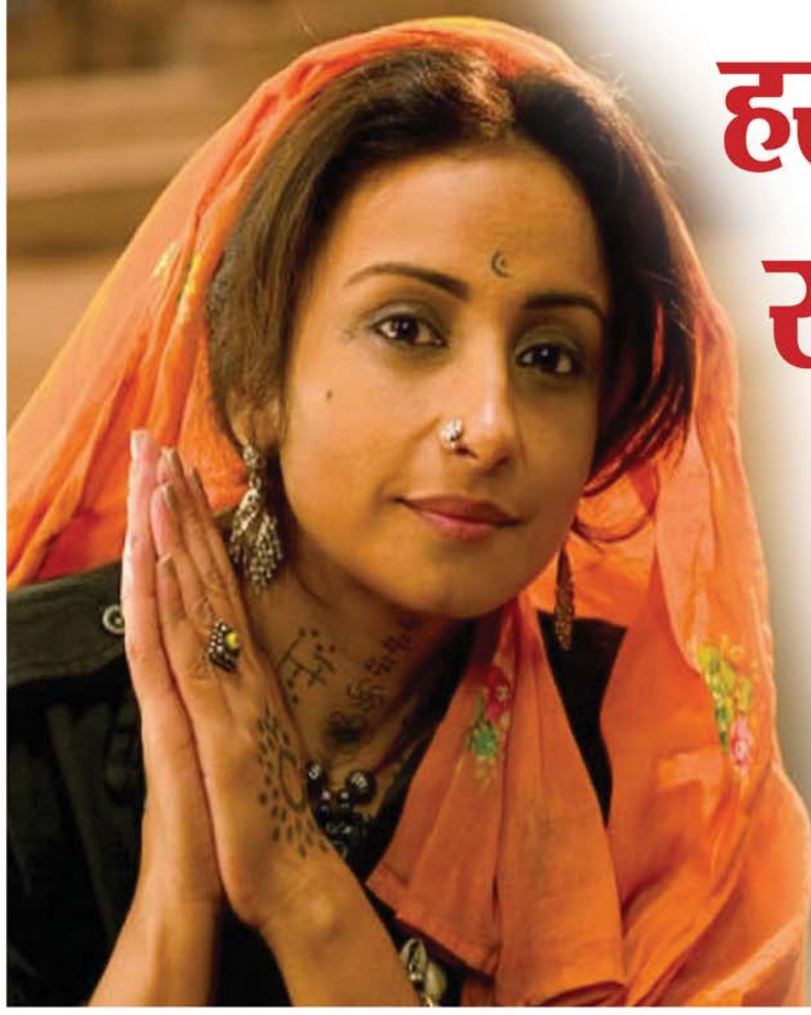
मकसद महत्वपूर्ण है, झंडे नहीं: दिलजीत दोसांझ

हाल ही में कनाडा के कैलगरी में हुए अपने कॉन्सर्ट के दौरान गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने झंडों और बैनरों को लेकर उत्पन्न हुए विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कॉन्सर्ट में भीड़ के कुछ सदस्यों द्वारा खालिस्तान के समर्थन में झंडे लहराए गए, जिस पर दिलजीत दोसांझ ने स्टेज से ही कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने खालिस्तानी समर्थकों से कहा कि वे अपने झंडे कहीं और ले जाएं और इस जगह का इस्तेमाल उसी उद्देश्य के लिए करें जिसके लिए यह बनी है—यानी संगीत और मनोरंजन। दिलजीत ने आगे बताया कि कॉन्सर्ट में बाधा डालने और उनके खिलाफ विरोध के तौर पर झंडों का इस्तेमाल करने के कारण ही उन व्यक्तियों को हटाया गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया के स्टोरीज सेवशन में इसे एक फेक नैरेटिव करार दिया। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि वह किसी को भी अपने प्रशंसकों को परेशान करने या उनके शो में रुकावट डालने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दिलजीत ने पंजाबी में एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, बाहर खड़े होकर कोई भी विरोध प्रदर्शन कर सकता है, लेकिन अगर आप अंदर आकर मेरे फेंस को परेशान करने की कोशिश करेंगे, तो यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने झंडों और बैनरों के सही उपयोग और गलत इरादों के बीच का अंतर समझाया। दिलजीत ने कहा, अगर कोई बैनर या झंडा लाता है, तो इसका मतलब है कि वे दिखाना चाहते हैं कि वे किसी खास जगह से आए हैं और हमें समर्थन देने आए हैं। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी, अगर आप वही बैनर लेकर बाहर खड़े होकर मेरे फेंस को गाली देंगे, और फिर वही काम वेन्सु के अंदर करने की कोशिश करेंगे, तो मैं यह बर्दाश्त नहीं करूंगा। यह किसी खास बैनर या झंडे के बारे में नहीं है। बात इसके पीछे के मकसद की है। इस बयान के साथ, दिलजीत ने स्पष्ट संदेश दिया कि उनके लिए अपने दर्शकों का अनुभव और कॉन्सर्ट का शांतिपूर्ण माहौल सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जो भी कॉन्सर्ट को खराब करने की कोशिश करे, उसे तुरंत बाहर किया जाए। उन्होंने फिर से दोहराया कि उन्होंने किसी विशेष बैनर के लिए कुछ नहीं कहा, बल्कि गलत इरादों के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। उन्होंने फेक नैरेटिव फैलाने वालों को फटकार लगाते हुए कहा, मैंने पिछले साल तो इस बात को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन अब और नहीं। धन्यवाद। दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार के लिए, जो अक्सर अपने संगीत के माध्यम से एकता और खुशी का संदेश देते हैं, इस तरह के विवाद उनके लिए एक संवेदनशील मुद्दा रहे हैं, और उन्होंने इस बार इसे पूरी गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका ऐतराज कभी भी किसी विशेष झंडे या बैनर से नहीं था, बल्कि उनके पीछे के गलत मकसद पर था।

वरुण और पूजा की केमिस्ट्री ने जीता दिल



फिल्म 'हे जवानी तो इश्क होना है' का नया रोमांटिक गाना 'तेरा हो जाऊं' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। गाने में वरुण धवन और पूजा हेगड़े की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। दोनों की फेश जोड़ी स्क्रीन पर एक अलग ही ऊर्जा और रोमांटिक एहसास लेकर आई है, जिसने युवाओं के बीच इस गाने को तेजी से लोकप्रिय बना दिया है। वरुण धवन की सहज अदायगी और पूजा हेगड़े की ग्रेसफुल मौजूदगी ने गाने को खास बना दिया है। इस गाने को स्टैबिन बेन और जोनिता गांधी ने अपनी मधुर आवाज दी है। वहीं, इसका संगीत व्हाइट नॉइज़ कलेक्टिव्स ने तैयार किया है और बोल वायु ने लिखे हैं। गाने में आधुनिक रोमांस को बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है, जिसकी वजह से यह इंस्टाग्राम रील्स और म्यूजिक प्लेलिस्ट्स में तेजी से ट्रेंड कर रहा है। दर्शकों का कहना है कि लंबे समय बाद ऐसा रोमांटिक ट्रैक आया है, जो सीधे दिल को छूता है। फिल्म 'हे जवानी तो इश्क होना है' को डेविड धवन निर्देशित कर रहे हैं। टिप्स फिल्म के बैनर तले बनी इस फिल्म में वरुण धवन, मृगाल टाकूर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह बना हुआ है और अब इस गाने ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

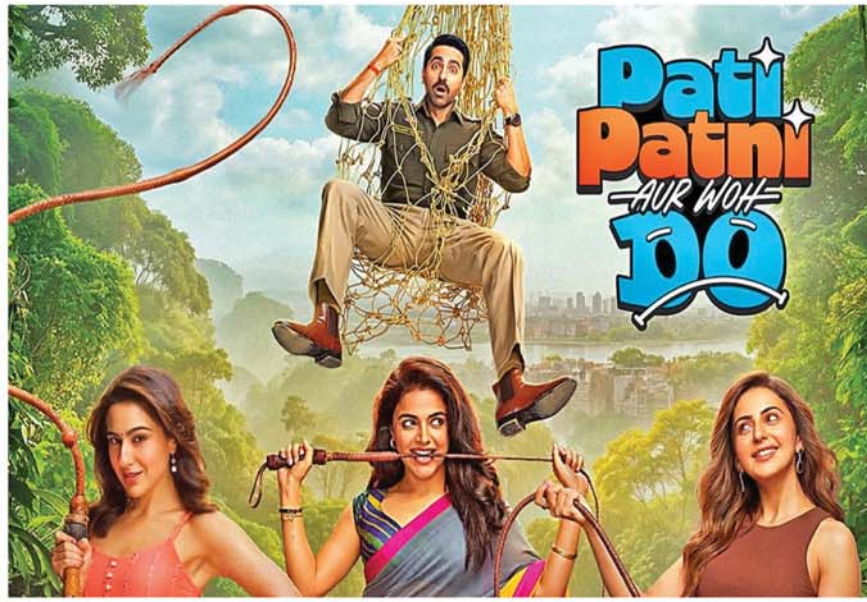


हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है: दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी नई वेब सीरीज चिरैया को लेकर खूब वाहवाही बटोर रही हैं। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से ही, यह सीरीज अपनी शानदार कहानी, सशक्त लेखन और सभी कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित यह 6-एपिसोड की भावनात्मक और मार्मिक सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे बेहद गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज चिरैया को लेकर अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे आज की हर लड़की और महिला अपने आपको गहराई से जोड़ पा रही है, क्योंकि यह समाज के एक कड़वे सच को उजागर करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पॉडकास्ट का वीडियो साझा किया, जिसमें वे चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रही थीं। वीडियो में दिव्या कहती हैं, हर कोई चिरैया देख रहा है और उससे प्रभावित हो रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बात करने और उनका सामना करने की हिम्मत मिली है। दिव्या दत्ता ने उस महिला का वाक्या बताते हुए अपनी बात जारी रखी जहां मैं योगा करने जाती हूँ, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूँ, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके लिए तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे उसी वक्त बात करना चाहती थी। दिव्या ने आगे बताया कि उस महिला ने मुझसे कहा, मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने चिरैया देखी और मैं उसे देखकर बहुत रोई। उस सीरीज को देखने के बाद मुझे उनका सामना करने और अपनी बेटी के हक के लिए खड़े होने की हिम्मत मिली। दिव्या दत्ता ने उस पल के महत्व को समझते हुए कहा, सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया जाए, उसमें सच्चाई और ईमानदारी हो, तो लोग उस कहानी से खुद को गहराई से जोड़ते हैं, और यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में अब इन मुद्दों पर एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई चिरैया देख रहा है।

वेनिस में राधिका का रॉयल अंदाज

राधिका अंबानी एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर चर्चा में हैं। वेनिस बिनाले में उनका बेहद रॉयल और एलिगेंट लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंबानी परिवार की छोटी बहू राधिका ने इस खास मौके पर आइवरी और गोल्डन टोन वाला ऑफ-शोल्डर गाउन पहना, जिसमें वह किसी डिज्नी प्रिंसेस से कम नहीं लग रही थीं। उनके इस लुक ने फैशन प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। राधिका के गाउन का डिजाइन बेहद खास था। इसके ऊपरी हिस्से को ड्रेड कॉर्सेट लुक दिया गया था, जिससे उनके पूरे आउटफिट को शानदार स्ट्रक्चर मिला। वहीं कमर के नीचे से गाउन का प्लेयर्ड डिजाइन उसे और भी भव्य बना रहा था। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में राधिका का रॉयल अंदाज साफ नजर आ रहा है। राधिका ने अपने मेकअप को बेहद सिंपल और नेचुरल रखा। सॉफ्ट ब्राउन आई मेकअप और न्यूड पिंक लिप शेड ने उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखार दिया। उन्होंने भारी ज्वेलरी की जगह सिर्फ गोल्डन पलोरल ईयररिंग्स और एक स्टेटमेंट रिंग पहनी, जिसने उनके पूरे लुक को क्लासी बना दिया। फेंस राधिका के इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।



सारा अली खान जुटी पति पत्नी और वो 2 के प्रमोशन में

अपनी आगामी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान बेहद उत्साहित हैं। प्रमोशन में जुटी सारा अली खान ने फिल्म में एक अहम किरदार निभा रही अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के 'नीलोफर' नामक किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया है। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार अपने आप में खास और महत्वपूर्ण है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के निभाए गए 'नीलोफर' के किरदार में थी। बातचीत के दौरान, फिल्म के सह-कलाकार आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली खान को रकुल प्रीत सिंह का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत सिंह की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की खूब प्रशंसा की। सारा ने कहा, फ्रमुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बेहद आकर्षक लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है,

तो मुझे लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार और स्वाभाविक लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती और मुझे मौका मिलता तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती। यह टिप्पणी उनके किरदार के प्रति उनके गहरे लगाव और रकुल के प्रदर्शन के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है। इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकी रकुल ने बताया कि दोस्तों और परिचित सह-कलाकारों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। उन्होंने कहा, इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके, हमारी कैमिस्ट्री और हमारे अभिनय की शैली के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना न केवल आसान हो जाता है, बल्कि यह मस्ती भरा और रचनात्मक रूप से संतोषजनक भी बन जाता है। फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करने का वादा करती है। यह फिल्म आगामी 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।



अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर बना रही पहचान

ग्लोबल एवट्रेस प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। दिशा पाटनी की पहली इंटरनेशनल फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने काफी चर्चा बटोर ली है। यह फिल्म एक काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया की कहानी पर आधारित है। 'स्टेटिगाइर्स वर्सेज होलीगाइर्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की यह पहली कड़ी है। फिल्म की कहानी लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार की है। इसमें दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में संतुलन और नियम बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग विचारधारा और नई दिशा का समर्थन करता है। इसी टकराव के बीच दिशा पाटनी का किरदार जैसिका सबसे अहम भूमिका में नजर आता है। फिल्म में जैसिका को एक ऐसी युवती के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी गुटों से है। वह दोनों पक्षों के नेताओं की बेटी है और इसी वजह से उसे दो दुनियाओं के बीच एक मजबूत कड़ी माना जाता है। कहानी में दुनिया का भविष्य उसके फैसलों पर निर्भर करता दिखाई देता है। ट्रेलर में यह भी दिखाया गया है कि जैसिका अपनी रहस्यमयी शक्तियों को समझने और नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि अपनी असली पहचान खोजने और सही रास्ता चुनने की जिम्मेदारी भी है। ट्रेलर में दिशा पाटनी के कई दमदार एक्शन दृश्य देखने को मिलते हैं। वह तलवारबाजी से लेकर रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करती नजर आती हैं। उनके एक्शन सीक्वेंस और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी मजबूत मानी जा रही है। दिशा पाटनी के साथ बॉलीवुड अभिनेता केविन स्पेसी, डॉल्फ लुडग्रेन और टायरेस गिब्सन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। दिशा पाटनी ने फिल्म को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि पहली इंटरनेशनल फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

पिता हमेशा कहा करते थे, लगे रहो बेटे, काम करते रहो: ईशा देओल



बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल के लिए हमेशा ही सबसे बड़ी प्रेरणा उनके दिवंगत पिता अभिनेता धर्मेन्द्र की सीख और विश्वास रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान ईशा ने अपने नए बिजनेस के बारे में बात करते हुए भावुक अंदाज में बताया कि उनके पिता हमेशा उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ने की हिम्मत देते थे। ईशा ने मुंबई के रियल एस्टेट समूह 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ मिलकर अलीबाग में लग्जरी विला डिजाइन प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वह और उनके पिता घंटों तक अलग-अलग जगहों की बनावट, घरों की संरचना और साधारण स्थानों की खूबसूरती पर चर्चा किया करते थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता अक्सर उन्हें एक ही बात कहते थे 'लगे रहो बेटे, करते रहो।' ईशा के मुताबिक यही शब्द आज भी उन्हें प्रेरित करते हैं और आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि पिता के विश्वास ने ही उन्हें अपने इस सपने को साकार

करने की ताकत दी। अपने नए डिजाइन कारोबार का नाम ईशा ने 'ईशा धर्मेन्द्र देओल डिजाइन' रखा है। इस नाम के पीछे भी पिता से जुड़ी एक खास भावना है। उनके बिजनेस के लोगो में लालटेन का प्रतीक बनाया गया है, जिसे धर्मेन्द्र ने खुद अपने हाथों से तैयार किया था। ईशा ने बताया कि यह लालटेन उनके लिए केवल एक डिजाइन नहीं, बल्कि पिता के प्यार और आशीर्वाद की निशानी है। उन्होंने कहा कि वह इस रोशनी को अपने काम के जरिए आगे बढ़ाना चाहती हैं। ईशा ने सोशल मीडिया पर भी अपने इस नए सफर की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि वह अपने इस सपने को एक नई पहचान दे रही हैं और यह हमेशा अपने पिता को समर्पित रहेगा। उनकी इस पहल को परिवार का भी पूरा समर्थन मिला। अभिनेता बांबी देओल ने उनकी पोस्ट साझा करते हुए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि ईशा इस क्षेत्र में भी शानदार काम करेंगी। गौरतलब है कि धर्मेन्द्र का नवंबर 2025 में मुंबई स्थित उनके जूहू आवास पर निधन हो गया था।

